RNI-UPHIN/2009/30721

शुक्रवार 13 जून 2025
सुर्योदय प्रातः 05:23 बजे
सूर्यास्त सांय 19:20 बजे

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 विज्ञान व तकनीक से दूरसंचार में क्रांतिकारी बदलाव

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्षः 16 | अंक : 238 | गाजियाबाद, शुक्रवार 13 जून 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

केनरा बैंक Canara Bank
SCAN & PAY
UPI ID: 300012627000246@cnrb
BHIM UPI
Canara ai1 CBDC Paytm Cred PhonePe Google Pay
DIGITAL RUPEE ACCEPTED HERE

NCR MASALA
India's Premium Masala
9410855900
ncrmasala@gmail.com
get online
www.ncrmasala.com
गर्म मसाला, हल्दी, मिर्च, धनिया, जीरा व अन्य रसोई मसाले

विमान हादसाः गुजरात में विमान हादसा 200 लोगों की मौत

विमान उड़ान भरते ही मेडिकल कॉलेज हॉस्टल पर गिरा

✷ वेबवार्ता. नई दिल्ली/अहमदाबाद ✷

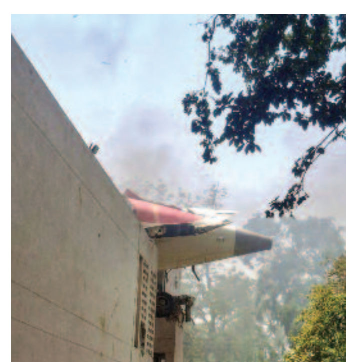

गुजरात में भयावह विमान हादसे में 200 से अधिक लोगों की जान चली गई। अहमदाबाद एयरपोर्ट से एयर इंडिया का विमान गुरुवार को लंदन के लिए उड़ान भरने के दो मिनट बाद ही सरकारी बीजे मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर छात्रावास से टकरा गया। हादसे के दौरान विमान में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी और क्रू सदस्यों समेत 242 लोग सवार थे।

अहमदाबाद के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी कनन देसाई ने बताया कि हादसे में 200 से अधिक लोगों के मारे जाने की पुष्ट हुई है। जानकारी के अनुसार विमान में 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश, सात पुर्तगाली और कनाडा के एक नागरिक के साथ 12 क्रू सदस्य सवार थे।

रुपाणी सीट नंबर 12 पर सवार थे। बताया जा रहा वे बेटी से मिलने लंदन जा रहे थे। एयर इंडिया के अनुसार बोइंग 787 ड्रीमलाइनर एयरक्राफ्ट (एआई171) अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल इंटरनेशनल एयरपोर्ट से दोपहर करीब एक बजकर 39 मिनट पर लंदन के गैटविक एयरपोर्ट के लिए रनवे संख्या 23 से उड़ा। दो मिनट बाद ही विमान एयरपोर्ट के पास मेघानीनगर स्थित आवासीय क्षेत्र में एक घर से टकरा गया।

घटना के वक्त विमान जमीन से 625 मीटर की ऊंचाई पर था। हादसे की खबर लगते ही एयरपोर्ट का संचालन रोक दिया गया। हालांकि घटना की सूचना के बाद अहमदाबाद पहुंचने वाले वीवीआईपी और जांच टीम के लिए एयरपोर्ट का संचालन जारी है।

नागरिक विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने बयान जारी कर बताया कि हादसे से पहले पायलट ने अहमदाबाद के एयर ट्रैफिक कंट्रोलर (एटीसी) को मे-डे कॉल दिया था। इसके बाद एटीसी ने विमान को कई निर्देश दिए जिसका कोई जवाब नहीं मिला। अहमदाबाद के पुलिस आयुक्त जीएस मलिक ने कहा कि लोगों के बचे होने की संभावना को दरकिनार नहीं कर सकते हैं। कुछ लोगों को अस्पताल भेजा गया है। राहत और बचाव कार्य जोरों पर जारी है।

एएआईबी करेगा मामले की जांच हादसे की जांच के लिए विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) के महानिदेशक, जांच निदेशक और सरकार की टीम अहमदाबाद पहुंच गई है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के तहत आने वाला ये ब्यूरो विमानों के सुरक्षा मानदंडों के लिए जिम्मेदार है।

भारतीय वायु क्षेत्र में रहने के दौरान अगर कोई विमान हादसे का शिकार होता है तो यही जांच करता है। ब्यूरो विमान सुरक्षा सुधार के लिए सलाह भी देता है।

सबसे पहले पहुंची सीआईएसएफ

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर के बाद विमान आग का गोला बन गया और चंद सेकंड बाद ही पूरा इलाका धुआं-धुआं हो गया। घटना की सूचना के बाद एनडीआरएफ की छह और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की दो टीमें राहत और बचाव कार्य के लिए पहुंच गईं। राहत और बचाव कार्य का मोर्चा सबसे पहले एयरपोर्ट पर तैनात सीआईएसएफ की टुकड़ी ने संभाला। सीआईएसएफ के 150 जवानों को भी तैनात किया है।

तेज धमाके से दहशत मची

हादसे के प्रत्यक्षदर्शी जयेश पटेल ने बताया कि जब विमान हादसा हुआ तब मैं घटनास्थल से महज 500 से 600 मीटर दूर था। बहुत तेज धमाका हुआ और आग की ऊंची लपटें उठने के बाद पूरा इलाका धुएं से भर गया। मैंने ऐसा पहले कभी नहीं देखा था। धमाके की आवाज सुन लोग घर के बाहर निकल गए। हर कोई घटना स्थल की तरफ दौड़ा। वहां जो मंजर था वो बहुत भयावह था।

हर तरफ मलबा ही मलबा हादसे के बाद का नजारा बेहद भयावह था। हर तरफ मलबा बिखरा हुआ था। विमान का नोज एक घर की छत पर टूटकर गिर गया।

स्थानीय लोगों ने बताया कि विमान जब मकान से टकराया तो आसपास के कई घरों को भी भारी नुकसान हुआ है। कई लोग घायल भी हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि धमाका और आग की लपटें इतनी तेज थीं कि पार्किंग में खड़ी कई गाड़ियों में भी आग लग गई।

कैप्टन सुमित कर रहे थे कमांड

डीजीसीए ने बताया कैप्टन सुमित सभरवाल विमान को फर्स्ट ऑफिसर क्लाइव कुंदर के साथ कमांड कर रहे थे। कैप्टन सुमित को 8200 घंटों का उड़ान का अनुभ्व था। वहीं को-पायलट के 1100 घंटे विमान उड़ाने का अनुभव था। विमान में दो पायलटों के साथ 10 क्रू सदस्य सवार थे। डीजीसीए दोनों पायलटों से जुड़ी और जानकारी जुटाने में जुटा है।

विमान हादसे में एक यात्री के जीवित बचने का अच्छा समाचार मिला है और मैं उससे मिला हूं: ग्रह मंत्री

वेबवार्ता. अहमदाबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज शाम यहां कहा कि विमान हादसे में एक व्यक्ति के जीवित बचने का अच्छा समाचार मिला है और वह उससे मिले हैं।

श्री शाह ने इस हादसे पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि इस दुर्घटना में मारे गये लोगों की संख्या के बारे में डीएनए परीक्षण और यात्रियों की पहचान के बाद संबंधित अधिकारी जानकारी देंगे। उन्होंने कहा कि इस हादसे में जो हताहत हुये हैं, उनके परिजनों के प्रति वह गुजरात सरकार की ओर से गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं।

उन्होंने कहा कि इस विमान में देश-विदेश के 230 यात्री और 12 चालक दल के सदस्य सवार थे। उसमें से एक यात्री के बचने का अच्छा समाचार मिला है और वह उनसे मिल कर आये हैं। उन्होंने कहा," मृत्यु का आंकड़ा तो डीएनए परीक्षण और यात्रियों के पहचान के बाद ही अथॉरिटी अधिकृत रूप से घोषित करेगी। मगर जो यात्री बचा है, उसको मैं मिलकर आया हूं।"

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि घटना के तुरंत बाद गुजरात सरकार ने आपदा प्रबंधन की सारी इकाइयों ने भारत सरकार के साथ मिलकर राहत और बचाव का कार्य शुरू किया। विमान के अंदर ईंधन था और तापमान इतना ऊंचा हो गया कि किसी को बचाने का मौका ही नहीं मिला।

उन्होंने कहा, " मैं घटना स्थल पर भी जाकर आया हूं। सारे यात्रियों के मृत देह को बाहर निकालने का काम लगभग समाप्त हो चुका है। "

उन्होंने कहा कि जिन यात्रियों के परिजन यहां पहुंच चुके हैं। उन सबका डीएनए लेने की कार्रवाई दो तीन घंटे में समाप्त हो जायेगी। जिनके परिजन विदेश में हैं, उनको सूचना देने की कार्रवाई समाप्त हो चुकी है और जैसे ही वे पहुंचते हैं, उनके भी डीएनए नमूने लिये जायेंगे।

बोइंग के ड्रीमलाइनर की है यह पहली घातक दुर्घटना

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

अहमदाबाद में गुरुवार को हुई भीषण विमान दुर्घटना अमरीकी विमान विनिर्ताता कंपनी बोइंग के किसी बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान का दुनिया में पहला भीषण हादसा है, जिसमें यात्रियों और चालक दल के सदस्यों सहित विमान पूरी तरह से नष्ट हो गया है।

समाचारपत्र न्यूयार्क टाइम्स में प्रकाशित एक लेख के मुताबिक बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमानों में परिचालन संबधी कई खामिया प्रकाश में आती रही हैं, जिनमें यात्रियों के घायल होने की भी सूचना भी है। इस लेख के अनुसार इस विमान के साथ अभी तक कोई जानलेवा हादसा नहीं हुआ है। ड्रीमलाइनर भारत में पहली बार एयर इंडिया विमानों में 2012 में शामिल किए गए थे। ये विमान अपनी उच्च तकनीक, ईंधन की बचत और यात्रियों के लिए अधिक आरामदायक होने के कारण ये विश्वभर की एयरलाइनों की पंसद में ऊपर बने हुए हैं। एयर इंडिया के बेड़े में 2016 में शामिल एक ड्रीमलाइनर बोइंग 787 विमान आज अपराह्न अहमदाबाद से लंदन के लिए उड़ान भरते ही दुर्घटनाग्रश्त हो गया। इस विमान में 230 यात्री, दो पायलट और चालक दल के 10 सदस्य सवार थे।

'भारत कनाडा संबंधों को सामान्य बनने की आशा'

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷। भारत ने गुरुवार को आशा व्यक्त की कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए कनाडा की यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच आपसी सम्मान, साझा हितों और एक-दूसरे की चिंताओं के प्रति संवेदनशीलता के आधार पर संबंधों को फिर से राजनयिक संबंधों को सामान्य बनाने का अवसर मिलेगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आज यहां नियमित ब्रीफिंग में प्रधानमंत्री की कनाडा यात्रा के दोनों देशों के संबंधों को सुधारने के लिए महत्व से जुड़े एक सवाल के जवाब में कहा कि प्रधानमंत्री को पिछले सप्ताह कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी का फोन आया था। फोन पर बातचीत के दौरान, श्री कार्नी ने श्री मोदी को कनान्स्कीस में होने वाले आगामी जी-7 शिखर सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया है। दोनों नेताओं को भारत-कनाडा संबंधों और आगे के राश्ते पर विचार करने का अवसर भी मिला। भारत और कनाडा जीवंत लोकतंत्र हैं जो साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, कानून के शासन के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता और लोगों के बीच जीवंत संबंधों से बंधे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश शिक्षक भर्ती प्रक्रिया पर विचार करने से किया इनकार

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷। उच्चतम न्यायालय ने आंध्र प्रदेश में 16347 शिक्षकों की भर्ती के लिए चल रही मेगा जिला चयन समिति परीक्षा-2025 को चुनौती देने वाली रिट याचिका पर विचार करने से गुरुवार को इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति मनमोहन की अंशकालीन कार्य दिवस पीठ ने याचिकाकर्ता पोसिना आनंद साई की याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए उन्हें आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने की अनुमति दी। उच्च न्यायालय में फिलहाल गर्मी की छुट्टियां हैं। इसके बाद अदालत 16 जून से फिर से खुलेगी। याचिकाकर्ता की ओर से पेश अधिवक्ता (डॉ.) चारु माथुर द्वारा मामले का उल्लेख किए जाने पर शुरू में न्यायमूर्ति मनमोहन ने टिप्पणी की कि परीक्षा पहले ही शुरू हो चुकी है।

पूरा देश खड़ा है प्रभावित परिवारों के साथ: मुर्मु

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने अहमदाबाद में हुए विमान हादसे को हृदय विदारक बताते हुए कहा है कि दुख की इस घड़ी में पूरा देश प्रभावित परिवारों के साथ खड़ा है।

श्रीमती मुर्मु ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि वह इस घटना के बारे में जानकर 'बहुत व्यथित' हैं और उन्होंने इसे 'हृदय विदारक आपदा' कहा।

राष्ट्रपति ने कहा, "अहमदाबाद में हुए दुखद विमान दुर्घटना के बारे में जानकर मैं बहुत व्यथित हूं। यह एक हृदय विदारक आपदा है। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं प्रभावित लोगों के साथ हैं।

राष्ट्र इस अवर्णनीय दुख की घड़ी में उनके साथ खड़ा है।" एयर इंडिया के अमहदाबाद से लंदन जा रहे विमान में चालक दल के 12 सदस्यों समेत 242 लोग सवार थे। विमान उडान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रश्त हो गया।

सीजेआई गवई ने हवाई हादसे से प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की

चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) बीआर गवई और सुप्रीम कोर्ट के अन्य जजों ने रजिस्ट्री अधिकारियों के साथ मिलकर आज यानी गुरुवार को

अहमदाबाद में एयर इंडिया के विमान के दुर्घटनाग्रश्त होने से प्रभावित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। सीजेआई ने बीजे मेडिकल कॉलेज और सिविल अस्पताल के मरीजों के लिए भी चिंता व्यक्त की, जिनके लिए लंदन जाने वाला विमान अहमदाबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रश्त हो गया। सीजेआई ने कहा, 'इस कठिन समय में हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उनके साथ हैं। उन्हें अपने प्रियजनों के समर्थन से शक्ति और सांत्वना मिले।'

अहमदाबाद विमान हादसा दिल दहलाने वाला: मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अहमदाबाद में हुए विमान हादसे पर गहरा दुख जताया है और प्रभावित लोगों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है।

श्री मोदी ने गुरुवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, "अहमदाबाद में हुई त्रासदी ने हमें शतब्ध और दुखी कर दिया है। यह शब्दों से परे दिल दहला देने वाली घटना है। इस दुखद घड़ी में मेरी संवेदनाएं सभी प्रभावित लोगों के साथ हैं।

मैं मंत्रियों और अधिकारियों के संपर्क में हूँ जो प्रभावित लोगों की सहायता के लिए काम कर रहे हैं।" गौरतलब है कि एयर इंडिया का एक ड्रीमलाइनर बोइंग 787 विमान आज अपराह्न अहमदाबाद से लंदन के लिये उड़ान भरते ही दुर्घटनाग्रश्त हो गया। विमान में 230 यात्री, दो पायलट और चालक दल के 10 अन्य सदस्य सवार थे।

सोनिया, खरगे, राहुल और प्रियंका ने विमान हादसे पर जताया गहरा शोक

कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी तथा पार्टी महासचिव प्रियंका

गांधी वाड्रा ने अहमदाबाद विमान दुर्घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए पीड़ित परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है।

श्रीमती गांधी ने गुरुवार को अपने शोक संदेश में कहा,"अहमदाबाद में हुए दर्दनाक विमान हादसे से मैं बेहद शतब्ध और व्यथित हूँ। मेरी संवेदनाएं यात्रियों और चालक दल के परिजनों के साथ हैं। जो दृश्य सामने आए हैं, वे बेहद पीड़ादायक हैं। पूरा देश शोक में है और प्रार्थना कर रहा है।"

विमान हादसे में अपनों को खोने वाले परिजनों को एक-एक करोड़ रुपये की सहायता देगा टाटा समूह

✷ वेबवार्ता. मुंबई ✷

टाटा समूह ने अहमदाबाद में एयर इंडिया के विमान हादसे में मारे गये लोगों के परिजनों को एक-एक करोड़ रुपये नगद सहायता राशि प्रदान करने की घोषणा की है।

टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने 'एक्स' पर एक बयान में एयर इंडिया की अहमदाबाद लंदन की उड़ान संख्या 171 की त्रासद दुर्घटना पर समूह की ओर से गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा, " टाटा समूह इस त्रासदी में प्राण गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिजनों को एक-एक करोड़ रुपये देगा। हम घायल व्यक्तियों के इलाज का पूरा खर्च उठायेंगे और यह सुनिश्चित किया जायेगा कि उन्हें पूरी मदद मिले और उनका ध्यान रखा जाये।" श्री चंद्रशेखरन ने इसके अलावा अहमदाबाद के बीजे मेडिकल्स के छात्रावास भवन के पुर्निर्माण में मदद की भी घोषणा की है।

उन्होंने कहा कि टाटा समूह इस अकल्पनीय दुख के समय में प्रभावित परिवारों और समूदायों के साथ खड़ा है। उल्लेखनीय है कि एयर इंडिया का संचालन टाटा समूह के हाथ में है। अहमदाबाद विमान हादसे के शिकार ड्रीमलाइनर बोइंग 787 विमान में 230 यात्री और चालक दल के दो पायलट सहित 12 सदस्य सवार थे।

'टैगोर के पैतृक घर पर हमला बंगला सांस्कृतिक धरोहर को मिटाने की कोशिश'

NCR TODAY. Khabariya. New Delhi। भारत ने बांग्लादेश में नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर के पैतृक घर पर भीड़ द्वारा की गई तोड़फोड़ की घटना की कड़ी निंदा की है। विदेश मंत्रालय ने इसे एक घृणित और हिंसक कृत्य करार देते हुए कहा कि यह भारत-बांग्लादेश की साझा विरासत पर हमला है और समावेशी मूल्यों की अवहेलना है।

गुरुवार को विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हम बांग्लादेश में रवींद्रनाथ टैगोर के पैतृक घर पर भीड़ द्वारा की गई तोड़फोड़ की घृणित कार्रवाई की कड़ी निंदा करते हैं। यह हिंसक कृत्य नोबेल पुरस्कार विजेता द्वारा समर्थित स्मृति और समावेशी मूल्यों का अपमान है।

प्रवक्ता ने आगे कहा कि यह हमला न केवल ऐतिहासिक धरोहर पर हमला है, बल्कि यह चरमपंथियों द्वारा सहिष्णुता के प्रतीकों को मिटाने के सुनियोजित प्रयासों का हिस्सा भी प्रतीत होता है। उन्होंने इसे एक चिंताजनक प्रवृत्ति बताया और बांग्लादेश सरकार से तत्काल कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि हमने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार से अपराधियों पर लगाम कसने और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आग्रह किया है।

जानें क्या है पूरा मामला?

यह घटना 8 जून को बांग्लादेश के सिराजगंज जिले के शहजादपुर स्थित 'रवींद्र कचहरीबाड़ी' में हुई। यह वह ऐतिहासिक हवेली है, जहां टैगोर ने अपने जीवन के कई साल बिताए और कई महत्वपूर्ण साहित्यिक रचनाएं कीं।

जानकारी के अनुसार, विवाद की शुरुआत एक विजिटर और संग्रहालय कर्मचारी के बीच मोटरसाइकिल पार्किंग शुल्क को लेकर हुई कहासुनी से हुई। विवाद के दौरान विजिटर को एक कमरे में बंद कर दिया गया और उसके साथ मारपीट की गई। इसके बाद, स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया और मंगलवार को उन्होंने मानव श्रृंखला बनाकर प्रदर्शन किया।

इसके जवाब में, एक भीड़ ने संग्रहालय परिसर में घुसकर तोड़फोड़ की और सभागार में जमकर नुकसान पहुंचाया। हमले में संग्रहालय के एक वरिष्ठ अधिकारी पर भी हमला किया गया।

संक्षिप्त समाचार

शादी के 15 दिन बाद ही पत्नी ने पति को मार डाला

सांगली, एजेंसी। इंदौर के व्यवसायी राजा रघुवंशी की हत्या की गूंज अभी थमी भी नहीं थी कि महाराष्ट्र के सांगली जिले से एक और दिल दहला देने वाली घटना हुई है। यहां एक 27 साल की महिला ने कथित तौर पर अपने 53 साल के पति अनिल लोखंडे की हत्या कर दी। यह वारदात शादी के महज 15 दिन बाद ही हुई है। कुपवाड़ एमआईडीसी पुलिस स्टेशन के सहायक निरीक्षक दीपक भंडवलकर ने कहा, मंगलवार रात को दंपति में झगड़ा हुआ था। बुधवार को रात करीब 12.30 बजे जब अनिल सो रहा था, राधिका ने उसके सिर पर कुल्हाड़ी से वार किया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। उसने अपनी चचेरी बहन को इसके बारे में बताया। हमने महिला को गिरफ्तार कर लिया और उसे अदालत में पेश किया। अदालत ने हमें दो दिन की रिमांड दी है। पुलिस ने बताया कि आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसे सांगली जिले के कुपवाड़ तहसील स्थित उसके घर से उसे हिरासत में लिया गया। पुलिस अधिकारी ने कहा, मामला काफी संवेदनशील है और हम सभी पहलुओं की जांच कर रहे हैं। पुलिस का कहना है कि अनिल लोखंडे ने 15 दिन पहले ही राधिका से दूसरी शादी की थी। लोखंडे की पहली पत्नी की कैंसर से मौत हो गई थी। वह इस शादी को पूर्ण करने के लिए अपनी नई पत्नी के साथ बार-बार शारीरिक संबंध बनाने की जिद कर रहा था। इससे राधिका गुस्से में आ गई। उसने पति पर कुल्हाड़ी से वार करते हुए उसकी हत्या कर दी। अधिकारियों ने राधिका के खिलाफ बीएनएस की धारा 103 (1) के तहत मामला दर्ज किया है।

कबीरदास जयंती पर सैनी सरकार का तोहफा, दूसरी बार सफाई कर्मियों का वेतन बढ़ाया

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा की नायब सिंह सैनी सरकार ने कबीरदास जयंती के मौके पर सफाई कर्मचारियों को बड़ा तोहफा दिया है। प्रदेश में सफाई कर्मियों का वेतन 2100 रुपये बढ़ा दिया गया है। यह घोषणा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सिरसा में संत कबीर दास जयंती कार्यक्रम में की। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि संकल्प पत्र में जो हमने कहा है, उसे पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मियों के वेतन में बढ़ोतरी होगी। सैनी ने कहा कि अनुसूचित जाति समाज के सहयोग से प्रदेश में तीसरी बार भाजपा की सरकार बन पाई है। सिरसा में नए नशा मुक्ति केन्द्र बनेंगे सीएम सैनी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आज हम सिरसा में संत कबीर दास जयंती मना रहे हैं। यह सिरसा की धरा संतों की भूमि रही है। अनेक संतों ने संत कबीर की तरह अलख जगाने का काम किया है। सीएम ने कहा कि इसी क्रम में सिरसा जिले के लिए स्वास्थ्य और सामाजिक सुधार से जुड़े कई महत्वपूर्ण फैसलों का ऐलान किया गया। सीएम ने कहा कि सिरसा में बन रहे सरसाई नाथ मेडिकल कॉलेज में 100 बेड का नशा मुक्ति केन्द्र बनेगा। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने डबवाली स्थित नशामुक्ति केंद्र में 10 बेड को बढ़ाकर 30 बेड करने का भी ऐलान किया। उन्होंने ऐलनाबाद सरकारी अस्पताल के पास एक नया नशा मुक्ति केंद्र बनाने की भी घोषणा की। इससे पहले पिछले साल नवम्बर में भी मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सफाईकर्मियों का वेतन बढ़ाया था। तब उन्होंने इसे बढ़ाकर 26 हजार रुपये मासिक कर दिया था। अब उसमें 2100 रुपए और बढ़ा दिया गया है। इसके साथ ही तब काम के दौरान सफाईकर्मी की किसी भी परिस्थिति में मृत्यु होने पर परिवार को 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की थी। सीएम ने कहा कि प्रदेश में 50 प्रतिशत सफाई के ठेके सफाई मित्रों और उनके समूहों को ही दिए जाएंगे, उससे बाहर नही जाएंगे। सफाईकर्मियों के हितों की रक्षा के लिए हरियाणा राज्य सफाई कर्मचारी आयोग का गठन भी किया है।

कर्नाटक में जाति गणना पर घमासान, सिद्दारमैया बोले - यह हमारा नहीं, कांग्रेस हाईकमान का फैसला

बेंगलुरु, एजेंसी।
कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने बुधवार को स्पष्ट किया कि राज्य में नई जातिगत जनगणना का निर्णय राज्य सरकार का नहीं, बल्कि कांग्रेस नेतृत्व का निर्णय है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब 2015 की कांताराज आयोग की रिपोर्ट के लीक होने के बाद पिछड़े वर्ग, अल्पसंख्यक और दलित समुदायों की संख्या में भारी वृद्धि देखी गई, जिससे कांग्रेस के पारंपरिक वोट बैंक में असहजता की स्थिति बनती दिख रही है।

सिद्दारमैया ने चिक्कबल्लापुर जिले के गौरिबिदनूर में पत्रकारों से कहा, 2015 के कांताराज आयोग की जातिगत सर्वे रिपोर्ट को लेकर कुछ शिकायतें थीं। कुछ लोगों का कहना था कि आंकड़े पुराने हैं, इसलिए कम समय में नई गणना की मांग की गई। हमने उस रिपोर्ट को सैद्धांतिक रूप से स्वीकार कर लिया है। उसे खारिज नहीं किया गया है।

यह हमारा नहीं, हाईकमान का फैसला

जब सिद्दारमैया से पूछा गया कि क्या वे कांग्रेस के इस फैसले से असहमत हैं तो उन्होंने जवाब दिया, हम हाईकमान के निर्देशों के अनुसार कार्य करेंगे। यह राज्य सरकार का निर्णय नहीं है। आपको बता दें कि मुख्यमंत्री सिद्दारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार

को मंगलवार को दिल्ली बुलाया गया था, जहां उन्होंने राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की। यह बैठक 4 जून को बेंगलुरु में हुई भगदड़, जिसमें 11 क्रिकेट प्रेमियों की मौत हो गई थी, को लेकर राज्य सरकार की आलोचना के बीच हुई है।

जहां सिद्दारमैया इस निर्णय से खुद को अलग रखने की कोशिश करते नजर आए वहीं उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने नए जातिगत सर्वेक्षण के फैसले का खुलकर समर्थन किया। उन्होंने कहा, जब हम पिछली रिपोर्ट की कमियों को सुधारने की कोशिश कर रहे हैं, तो बीजेपी को आपत्ति क्यों है? हम कांताराज आयोग की रिपोर्ट को खारिज नहीं कर रहे, बल्कि उसमें सुधार कर रहे हैं। शिवकुमार ने यह भी कहा कि बीजेपी खुद 2015 की रिपोर्ट को स्वीकार नहीं कर रही थी और अब नए सर्वे का विरोध कर रही है।

2015 में तत्कालीन सिद्दारमैया सरकार ने कांताराज आयोग के माध्यम से एक जातिगत जनगणना कराई थी, जिसकी रिपोर्ट कभी सार्वजनिक नहीं की गई। हाल ही में इसके कुछ हिस्से लीक हुए, जिसमें पिछड़े और दलित वर्गों की जनसंख्या अनुमानों से कहीं अधिक बताई गई है। इससे राज्य की सामाजिक और राजनीतिक समीकरणों में बड़ा बदलाव आने की संभावना बन गई है।

गोदाम खुलते ही चौंक गए मंत्री किरोड़ी, ललित मोदी के परिवार की कंपनी में छापा

जयपुर, एजेंसी।
राजस्थान में कृषि क्षेत्र को झकझोर देने वाली बड़ी कार्रवाई सामने आई है। राज्य के कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने बुधवार देर शाम राजधानी जयपुर और उसके आसपास के इलाकों में कीटनाशक बनाने वाली 6 बड़ी फैक्ट्रियों और उनके गोदामों पर छापेमारी कर नकली और घटिया गुणवत्ता वाले पेस्टिसाइड का भंडाफोड़ किया। इस कार्रवाई में आईपीएल के पूर्व कमिश्नर ललित मोदी के परिवार की कंपनी इंडोफिल इंडस्ट्री लिमिटेड के गोदाम को भी सील कर दिया गया है।

छापेमारी के दौरान महादेव नगर और चौमूं स्थित फैक्ट्रियों में मंत्री स्वयं मौजूद रहे। एक गोदाम बंद मिलने पर खुद ताला तुड़वाकर खुलवाया गया। मंत्री किरोड़ी ने दावा किया कि बड़ी मात्रा में अमानक, नकली और किसानों के लिए हानिकारक कीटनाशक जब्त किए गए हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इन नकली दवाओं के कारण श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ जिले में किसानों की लाखों बीघा कपास की फसल बर्बाद हो गई। मंत्री मीणा ने खुलासा किया कि किसानों ने सफेद मक्खी के प्रकोप से निपटने के लिए इंडोफिल कंपनी का पेस्टिसाइड 10 हजार रुपये प्रति किलो की दर से खरीदा था, लेकिन इसके बावजूद उनकी फसलें नष्ट हो गईं। उन्होंने कहा, मैंने पता किया कि यह कंपनी किसकी है। बताया गया कि यह ललित मोदी की कंपनी है, जिसमें रुचिर मोदी, चारू मोदी और पारुल मोदी डायरेक्टर हैं। डायरेक्टर होना बुरा नहीं है, लेकिन गोदाम में जो माल मिला है, वो आपत्तिजनक है। किरोड़ी मीणा ने कहा, राजस्थान में पहले ही नकली बीज और खाद ने किसानों को बर्बादी की कगार पर पहुंचा दिया है। अब नकली पेस्टिसाइड का नया खेल शुरू हो गया है। हम ऐसा नहीं होने देंगे। जो भी दोषी होगा, चाहे वो अधिकारी हो या कंपनी, किसी को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि कई निरीक्षकों की भूमिका संदिग्ध पाई गई है और उन्हें सस्पेंड किया जा रहा है। मंत्री किरोड़ी ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि इंडोफिल इंडस्ट्री लिमिटेड, श्रीराम कृषि रसायन लिमिटेड, उदित ओवरसीज लिमिटेड, आदि कृषि रसायन सहित कुल छह कंपनियों के निरीक्षण में गंभीर अनियमितताएं सामने आईं।

जीशान अख्तरबाबा सिद्दीकी हत्याकांड में कनाडा से गिरफ्तार, जल्द लाया जाएगा भारत

मुंबई, एजेंसी।
राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता और महाराष्ट्र के पूर्न मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या के मुख्य साजिशकर्ता माने जा रहे जीशान अख्तर को कनाडा में गिरफ्तार कर लिया गया। यह जानकारी महाराष्ट्र के गृह राज्यमंत्री योगेश कदम ने बुधवार को दी थी। 22 साल के जीशान अख्तर को फर्जी पासपोर्ट के मामले में पकड़ा गया है। योगेश कदम ने बताया, जीशान को कनाडा में गिरफ्तार किया गया है। हमने उसे भारत वापस लाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। भारत लाकर उससे आगे की पूछताछ की जाएगी।

मुंबई पुलिस के अनुसार, कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अन्मोल बिश्नोई ने जीशान अख्तर और शुभम लोंकार को बाबा सिद्दीकी की हत्या की सुपारी दी थी। बाबा सिद्दीकी की 12 अक्टूबर 2024 को मुंबई के बांद्रा इलाके में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। अब तक इस मामले में 25 से अधिक लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

जीशान अख्तर पर पंजाब और महाराष्ट्र में कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। 7 अप्रैल को पंजाब में पूर्व बीजेपी मंत्री मनो कालिया के घर पर हुए ग्रेनेड हमले की साजिश में मुख्य आरोपी बताया गया है। 16 मार्च को यूट्यूबर रोजर संधू के घर पर हुए ग्रेनेड हमले में भी उसका नाम सामने आया था। फरवरी 2025 में वायरल हुए एक वीडियो में जीशान ने दावा किया था कि पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी की मदद से उसने एशिया के बाहर एक देश में आश्रय प्राप्त कर लिया है। पुलिस ने वीडियो की पुष्टि की थी, लेकिन अन्य विवरणों की जांच जारी थी। भारत सरकार ने प्रत्यर्पण प्रक्रिया शुरू कर दी है। यदि सब कुछ योजनानुसार चलता है तो जीशान अख्तर को जल्द ही भारत लाया जाएगा, जिससे गैंगस्टर नेटवर्क और अंतरराष्ट्रीय अपराधों की गुत्थियाँ और खुल सकती हैं।

सरकारी दफ्तर में एक दिन में कितने समोसे परोसे जाते हैं? आरटीआई का ऐसा दुरुपयोग देख हाईकोर्ट भड़का

मुंबई , एजेंसी।
बॉम्बे हाईकोर्ट ने हाल ही में एक मामले की सुनवाई के दौरान आरटीआई कानून के गलत इस्तेमाल को लेकर चिंता जाताई है। हाईकोर्ट ने कहा है कि सूचना के अधिकार जैसे कानूनों का मकसद लोगों की भलाई होती है, लेकिन लोग इसकी बर्बादी करने में जुटे हैं। बुधवार को एक मामले की सुनवाई के दौरान राज्य सूचना आयोग (एसआईसी) ने बॉम्बे हाईकोर्ट को बताया कि उन्हें ऐसे ऐसे ऋऌढ्ढ आवेदन मिलते हैं, जिनका कोई मतलब नहीं होता। हाईकोर्ट ने मामले को गंभीरता से लिया है।

एसआईसी ने बताया कि उन्हें हाल ही में एक आरटीआई आवेदन मिला है जिसमें पूछा गया है कि एक सरकारी दफ्तर में एक दिन में कितने समोसे परोसे जाते हैं। हाईकोर्ट ने कहा कि यह मसला गंभीर है। चीफ जस्टिस आलोक अराधे और जस्टिस संदीप मार्ने की बेंच ने कहा, कानून भलाई के उद्देश्य से बनाए जाते हैं, लेकिन लोग इसके जरिए दामादों की ढूंढ रहे हैं, सरकारी नौकरी वालों को ढूंढ रहे हैं।

बता दें कि कोर्ट में पूर्व मुख्य सूचना आयुक्त शैलेश गांधी और पांच आरटीआई कार्यकर्ताओं द्वारा दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई चल रही थी। इसमें राज्य के मुख्य सूचना आयुक्त को आवेदनकर्ता द्वारा दूसरी अपील और शिकायत दर्ज कराने के 45 दिनों के भीतर निपटान के लिए रोडमैप देने का निर्देश देने की मांग की गई थी। हालांकि एसआईसीने कोर्ट को बताया कि निपटारे में देरी का कारण सूचना आयुक्तों के खाली पद हैं।

याचिकाकर्ताओं ने लगभग 1 लाख लंबित शिकायतों का हवाला देते हुए राज्य सूचना आयुक्तों के तीन अतिरिक्त पदों को भरने की मांग की थी। हाईकोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता सरकार में सिर्फ कमी ढूंढ रहे हैं। उन्होंने कहा, वे हमेशा नकारात्मक रवैये के साथ आते हैं और कभी संतुष्ट नहीं होते। कोर्ट ने आगे कहा कि आरटीआई अधिनियम में दूसरी अपीलों के लिए कोई समय सीमा नहीं है। उन्होंने फैसला सुनाते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि एसआईसी इन शिकायतों का जल्द से जल्द निपटारा करेगी।

यूपी की दो सगी बहनें धर्मांतरण गैंग से जुड़ीं, फिल्म द केरल स्टोरी की तरह उनका हुआ ब्रेनवॉश

आगरा, एजेंसी।
फिल्म द केरल स्टोरी की तरह आगरा की सगी बहनों का पहले ब्रेनवॉश किया गया, फिर उनका धर्मांतरण कराया गया। चौंकाने वाली बात यह है कि अब दोनों बहनें धर्म विशेष के पक्ष में चल रही मुहिम से जुड़ गई हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आए तथ्यों ने पुलिस अधिकारियों को चौंका दिया है। दोनों बहनें बीते 79 दिनों से लापता हैं। पुलिस जांच में सामने आया है कि वे किसी बड़े धर्मांतरण गिरोह का हिस्सा बन गई हैं, जिसका नेटवर्क पश्चिम बंगाल, जम्मू-कश्मीर और दिल्ली-एनसीआर तक फैला हुआ है। मामला सदर क्षेत्र का है। 24 मार्च को सगी बहनें आगरा छोड़कर गई थीं।

उनके पिता ने उसी दिन सदर थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। पुलिस को बताया कि बड़ी बेटी एमफिल है। डीईआई से पढ़ी है। वर्ष 2021 में भी बड़ी बेटी घर से चली गई थी। बेटी की दोस्ती उधमपुर (जम्मू एंड कश्मीर) निवासी साईमा उर्फ खुशबू से थी। उसने ही बेटी का ब्रेन वॉश किया था। उस समय बड़ी बेटी उनके कहने पर बमुश्किल घर लौट आई थी। दोबारा घर आकर छोटी बेटी का दिमाग पलट दिया। अब उसको भी साथ लेकर गई

है। इस सनसनीखेज मामले को सदर पुलिस ने उस समय गंभीरता से नहीं लिया। पीड़ित से बोल दिया गया कि दोनों बेटियां बालिग हैं। पुलिस क्या कर सकती है।

पिता बेटियों के लिए इधर-उधर भटकते रहे। सगी बहनों के आगरा से जाने के 41 दिन बाद चार मई को अपहरण की धारा के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। मुकदमे में साईमा उर्फ खुशबू नामजद है। सदर पुलिस सगी बहनों का कोई सुराग नहीं लगा पाई। आरोपित युवती कहां रहती है। क्या करती है। सदर पुलिस यह पता नहीं लगा पाई। सगी बहनों के परिजन हर दिन यह सोचकर पुलिस के पास जाते रहे कि शायद कोई सूचना मिलेगी। चक्कर लगा-लगाकर वह हताश और निराश हो गए। सूत्रों की मानें तो जांच में आई जानकारियों ने अधिकारियों के भी होश उड़ा दिए हैं। सगी बहनें धर्मांतरण के पक्ष में मुहिम से जुड़ गई हैं। ठीक उसी अंदाज में जैसे फिल्म द केरल स्टोरी में युवतियां दूसरी युवतियों को फंसाया करती थीं। पुलिस आयुक्त दीपक कुमार को जानकारी हुई तो उन्होंने पूरे मामले पर नजर रखने की जिम्मेदारी एडीसीपी सिटी आदित्य को दी। करीब सात दिन पहले मुकदमे की विवेचना साइबर क्राइम थाना स्थानांतरित कर दी गई। पुलिस को सोशल मीडिया पर कुछ आईडी मिली हैं। पूरे मामले के तार पश्चिमी बंगाल, जम्मू एंड कश्मीर और दिल्ली एनसीआर से जुड़ रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि जल्द ही इस गैंग का बड़ा खुलासा हो सकता है

इस मामले की जानकारी खुफिया एजेंसियों को नहीं दी गई है, जबकि यह मामला धर्मांतरण के साथ उसके पक्ष में चल रही मुहिम जुड़ा है। इस पर जिला स्तर से नहीं प्रदेश स्तर से छानबीन और कार्रवाई की जरूरत है। उन लोगों का बेनकाब होना जरूरी है जो इस गैंग से जुड़े हैं। पुलिस अब चेती है। पहले दिन से गंभीर होती तो मुकदमा लिखने में 41 दिन नहीं लगते। 79 दिन बीत चुके हैं। दोनों बहनें किस हाल में होगी यह चिंता परिजनों को सताए जाती है।

आगरा से सगी बहनों के लापता होने और धर्मांतरण गैंग से जुड़ने के मामले में पुलिस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को भी खंगाल रही है। जांच के दौरान कुछ ऐसी आईडी सामने आई हैं जो धर्म परिवर्तन के समर्थन में सक्रिय हैं और युवाओं को प्रभावित करने की कोशिश कर रही हैं। इन अकाउंट्स के जरिए दूसरा मजहब कबूल करने को प्रेरित किया जा रहा है।

धनी होने से पहले ही बूढ़ा हो रहा है देश

अर्जुन देशप्रेमी/वरिष्ठ पत्रकार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2047 तक देश को विकसित देश बनाने का सपना देखा है। इसकी चर्चा वह बार बार करते हैं. पर हाल यह है कि शायद विकसित होने से पहले ही देश शायद बुढा न हो जाये. इसका कारण है देश में बढती बेतहाशा आबादी और इसी क्रम में देश में संभावित बुजुर्गों की संख्या. बढती जनसँख्या के साथ ही नयी समस्या आती दिख रही है।

मौजूदा समय में बुजुर्ग आबादी (65 वर्ष और उससे ज़्यादा) 7% है। आने वाले दशकों में जीवन प्रत्याशा में सुधार के साथ इस आंकड़ों में वृद्धि होने की उम्मीद है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट कहती है कि 2025 तक जन्म के समय जीवन प्रत्याशा पुरुषों के लिए 71 वर्ष और महिलाओं के लिए 74 वर्ष होने का अनुमान है।

ऐसे में इनकी संख्या बहुत बड़ी होगी जिसे देख रेख की जरूरत होगी. बुजुर्ग जनसंख्या 7% से बढ़कर 14% तक मात्र 28 वर्षों में दोगुनी हो जाएगी, जो फ्रांस (120 वर्ष) या स्वीडन (80 वर्ष) की तुलना में बहुत तेज है। 40% से अधिक बुजुर्ग सबसे गरीब आय वर्ग में हैं, जो स्वास्थ्य, पेंशन और सामाजिक सुरक्षा के लिए चुनौतियां पेश करता है। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि भारत "धनी होने से पहले बूढ़ा" हो रहा है। कई दूसरे देशों के लिए यह पहले से ही चिंता का विषय रहा है।

लम्बे समय से देश की बेतहाशा बढती आबादी को लेकर चिंताएं जताई जाती रही हैं। पर देश की सरकारों ने इसपर कभी ढंग से ध्यान नहीं दिया. अब हालत यह है की देश की आबादी 170 करोड़ होने की तरफ है जो अमेरिका की आबादी से लगभग पांच गुना ज्यादा होगी जबकि भारत का क्षेत्रफल अमेरिका से तीन गुना कम है। ऐसे में इतने लोगों के लिए रोजगार कहाँ से आएगा, इसपर कोई ध्यान नहीं दे रहा है जो संभव है देश में अफरातफरी या गृहयुद्ध के हालात पैदा कर

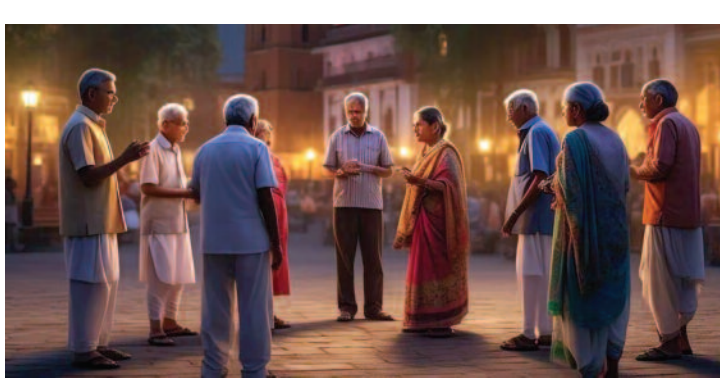

सकता है।

जनसँख्या विस्फोट की भयावहता का अंदाजा हाल ही में संयुक्त राष्ट्र की एक नई जनसांख्यिकी रिपोर्ट में सामने आया है जिसमें कहा गया है कि भारत की जनसंख्या 2025 में 1.46 अरब पहुंचने का अनुमान है, जोकि दुनिया में सर्वाधिक होगी।

अगले 30 वर्षों में इसके 170 करोड़ तक पहुँचाने का अनुमान है जो देश के क्षेत्रफल और संसाधनों को देखते हुए भयावह हो सकती है। बीते वर्ष जुलाई में जारी संयुक्त राष्ट्र की एक अन्य रिपोर्ट विश्व जनसंख्या संभावना-2024 के मुताबिक, पिछले वर्ष भारत की जनसंख्या 144 करोड़ थी।

हालांकि भारत की युवा जनसंख्या अब भी सबसे बड़ी बनी हुई है, जिसमें 0-14 आयु वर्ग में 24 प्रतिशत, 10-19 आयु वर्ग में 17 प्रतिशत तथा 10-24 आयु वर्ग में 26 प्रतिशत युवा हैं. देश की 68 प्रतिशत जनसंख्या कामकाजी आयु (15-64) वाली है, जिसे पर्याप्त रोजगार और और नौकरियां चाहिए. रिपोर्ट में भारत को मध्यम आय वाले देशों के समूह में रखा गया है, जो तेजी से जनसांख्यिकीय परिवर्तन से गुजर रहे हैं।

इस रिपोर्ट में एक अच्छी बात भी सामने आये है कि भारत की प्रजनन दर घटकर प्रति महिला 1.9 जन्म रह गई है, जोकि प्रतिस्थापन दर 2.1 से कम है। यह 1970 के दशक के लगभग 5 बच्चों और 1960 के 6 बच्चों की तुलना में उल्लेखनीय कमी है। शिक्षा में सुधार, प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं तक बेहतर पहुंच और गर्भनिरोधकों के उपयोग में वृद्धि इसके प्रमुख कारण हैं. हालांकि, क्षेत्रीय असमानताएं बनी हुई हैं।

तमिलनाडु (1.4) और कर्नाटक (1.6) जैसे राज्यों में प्रजनन दर बहुत कम है, जबकि बिहार उत्तर प्रदेश और बंगाल जैसे राज्यों में यह अभी भी अपेक्षाकृत अधिक है। आँकड़ों के अनुसार उत्तर प्रदेश और बिहार दो ऐसे बड़े राज्य हैं जहाँ महिलाएँ सबसे ज़्यादा बच्चों को जन्म देती हैं।

इस बढती जनसँख्या के एक पहलू यह भी है कि देश में सांख्यिकी अनुपात बिगड़ रहा है। जिस घटते प्रजनन दर की बात हो रही है, उसके अनुसार देश में प्रजनन दर 1.9 है। पर उसमे खतरनाक ट्रेंड यह है की हिन्दुओं की प्रजनन दर जहाँ 1.6 के आसपास है वहीं मुस्लिम महिलाओं में प्रजनन दर 3 के आसपास है। ऐसे में संभव है कि अगले कुछ दशकों में आबादी का संतुलन बिगड़े जो देश में एक नयी समस्या पैदा करेगा. ऐसे में जरूरी है कि आबादी नियंत्रण के लिए तत्काल कदम उठाये जायें।

कांग्रेस ने फिर दोहराई संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग

एनसीआर टुडे. नई दिल्ली

कांग्रेस ने गुरुवार को एक बार फिर संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग दोहराई है। पार्टी का कहना है कि केंद्र सरकार को अपनी हठ और प्रतिष्ठा की चिंता को दरकिनार करते हुए फौरन संसद का विशेष सत्र बुलाना चाहिए।

हालांकि, केंद्र सरकार 21 जुलाई से संसद का मानसून सत्र बुलाए जाने का ऐलान कर चुकी है।

पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 'एक्स पर पोस्ट कर कहा कि अमेरिका के कमांडर का पाकिश्तान को आतंकवाद से लड़ने में शानदार साझीदार बताना और पाक के सेना प्रमुख को सेना दिवस का निमंत्रण देना चिंताजनक है। वहीं, बांग्लादेश में गुरु रबींद्रनाथ टैगोर के पुश्तैनी घर में तोड़फोड़ की गई है।

लोनी थाने के पास महिला को मारी गोली दो शूटर मौके पर दबोचे

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

दिल्ली सीमा के नजदीक जनपद गाजियाबाद के थाना लोनी के नजदीक बुधवार रात बाइक और स्कूटी सवार बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग करते हुए एक महिला को गोली मार दी। गंभीर हालत में महिला को इलाज के लिए दिल्ली के जीटीबी दिल्ली से सटे गाजियाबाद के लोनी थाने के पास बुधवार रात बाइक और स्कूटी सवार बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग करते हुए एक महिला को गोली मार दी।

गंभीर हालत में महिला को इलाज के लिए दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वारदात के बाद आसपास के लोगों ने दो बदमाशों को मौके पर ही दबोच लिया, जबकि तीन अन्य बदमाश फरार बताए जा रहे हैं। दिल्ली की मीत नगर कॉलोनी स्थित अपने मायके में रहने वाली 43 वर्षीय बॉबी उर्फ बबीता के पति हरिकिशन की मौत कुछ समय पहले हो गई थी। वह अपने बेटे कुणाल और भांजे जितेंद्र के साथ विकास नगर, ईदगाह रोड पर ससुराल में आई थी। बुधवार रात साढ़े नौ बजे वह टहलने के लिए बाहर निकली थी।

घर से कुछ दूरी पर लोनी थाने से करीब 200 मीटर दूर दो बाइक और स्कूटी पर सवार होकर आए पांच बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। गोली चलने की आवाज सुनते ही बबीता और उनके परिवार के सदस्य अपनी जान बचाते हुए इधर-उधर भागने लगे। इस बीच एक बदमाश ने बबीता पर गोली चला दी, जो उसके कूल्हे पर जा लगी। बबीता लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ी। वहीं, आसपास के लोगों ने बहादुरी दिखाते हुए स्कूटी सवार बदमाशों को घेर लिया। स्कूटी गिरने से दोनों बदमाश भी जमीन पर गिर गए। इसके बाद लोगों ने दोनों बदमाशों को पकड़कर पुलिस को इसकी सूचना दी।

पीएनबी आंचल प्रबंधक ने शाखा प्रबंधकों को दिये आवश्यक निर्देश

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷। पंजाब नेशनल बैंक के आंचल प्रबंधक कुलदीप सिंह राणा ने आज मंडल की शाखा प्रबंधकों के साथ व्यावसायिक बैठक की जिसमें उन्होंने प्रबंधकों को निर्देश दिए की एक अच्छी ग्राहक सेवा तथा समय सीमा के अंदर ग्राहकों की समस्याओं का निश्तारण किया जाना आवश्यक है, इसके अलावा शाखाओं का साफ सुथरा परिसर रखने पर विशेष ध्यान दें ताकि ग्राहकों को आकर्षित करें। इसके अलावा आंचल प्रबंधक ने 20 महत्वपूर्ण ग्राहकों के साथ बैंक संबंधी योजनाओं तथा बैंक की सेवाओं के संबंध में भी चर्चा की उन्होंने ग्राहकों को आस्वश्त किया कि पंजाब नेशनल बैंक सभी की सेवा में प्रतिबद्ध रहेगा। उन्होंने ग्राहकों से आग्रह किया कि वह अपने परिचितों मित्रों सगे संबंधियों को भी बैंक से जोड़ने में सहयोग करें।

किशोरी की बरामदगी की मांग को लेकर थाने पर हंगामा

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर एक कॉलोनी निवासी 16 वर्षीय किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। किशोरी की बरामदगी की मांग को लेकर परिजनों ने मोदीनगर थाने पर जमकर हंगामा किया। पुलिस ने जल्द बरामद करने क आश्वासन देकर उन्हें शांत किया। नगर एक कॉलोनी निवासी 16 वर्षीय किशोरी बुधवार को को संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई थी। परिजनों ने एक युवक पर अपहरण करने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी थी,लेकिन पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की है। गुरुवार को परिजन कॉलोनी के लोगों के साथ एकत्र होकर थाने पहुंचे और रिपोर्ट दर्ज किशोरी की बरामदगी की मांग को लेकर जमकर हंगाम किया। थानाप्रभारी ने जल्द किशोरी को बरामद करने का आश्वासन देकर उन्हें शांत किया।

बैंकों में ऋण लेने के लिए भटक रहे युवा

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। केंद्र और राज्य सरकार की तीन योजनाओं में स्वरोजगार शुरू करने के लिए युवाओं ने आवेदन किए, जिससे उन्हें ऋण मिल सके और वे अपना काम शुरू कर सकें। अप्रैल से लेकर अभी तक करीब 140 युवाओं को ही ऋण मिल सका है। बीते वित्त वर्ष में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना और एक जनपद-एक उत्पाद योजना में करीब 800 युवाओं ने आवेदन किए, जिनमें से करीब 140 लोगों को ही ऋण मिल सका है। बाकी आवेदन बैंकों ने अस्वीकृत कर दिए या फिर ऋण की फाइल लंबित है। आवेदन ऋण के लिए संबंधित विभागों के चक्कर काट रहे हैं लेकिन युवाओं को ऋण नहीं मिल पा रहा है। विभागीय अधिकारी आवेदकों को बैंक में भेज देते हैं और बैंक अधिकारी संबंधित विभाग में जाने के लिए कहते हैं। जिला प्रशासन ने भी बैंकों को ऋण की फाइल लंबित न करने के कड़े निर्देश दिए हैं। बावजूद इसके लाभार्थियों को ऋण नहीं मिल रहा है। जिले के नोडल अधिकारी भी शिकायतों के निश्तारण में लगातार मनमानी करते है।

ट्रेन से कटा युवक, शव पोस्टमार्टम को भेजा

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। लोनी थाना क्षेत्र के खड़खड़ी रेलवे स्टेशन के आगे रेलवे ट्रैक पर गुरुवार सुबह एक युवक का शव तीन हिस्से में कटा मिला। पुलिस ने परिजनों को सूचना देकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। दिल्ली से शामली की ओर जा रही मालवाहक गाड़ी के इंजन के ड्राइवर ने गुरुवार सुबह साढ़े पांच बजे खडखड़ी रेलवे स्टेशन के आगे रेलवे ट्रैक पर युवक का शव तीन हिस्से में पड़ा होने की सूचना लोनी रेलवे स्टेशन मास्टर को दी। सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने शव के कपड़ो की तलाशी ली तो मृतक का नाम प्रवेश निवासी गांव मारकपुर थाना खेकड़ा जिला बागपत होने का पता चला। पुलिस ने उसकी पेंट की जेब से मिले मोबाइल से परिजनों को मामले की जानकारी दी।

प्रधान ने दिखाई पंचायत के लोगों पर दबंगई

✷ एनसीआर टुडे. कोटकदार ✷

थाना नगीना देहात ग्राम पंचायत के कमरुद्दीन नगर मनसा का है सारा मामला।,दिन के 11 बजे के आसपास लतीफ पुत्र वाजिद किसी कार्य से कोट कादर जा रहा था। कोट कादर पंचायत घर के पास ग्राम प्रधान अशरफ का भतीजे जुबैर ने लतीश पुत्र वाजिद को पुरानी रंजिश के चलते रोक लिया।

रोकने के बाद जुबैर ले वाजिद के साथ गाली गलौच व मारपीट की।, वाजिद ने घर पहुँचने के बाद अपने परिवार वालों को इस बात की जानकारी दी। परिवार वाले इस बात को लेकर ग्राम प्रधान अशरफ के घर पर पहुंचे। अपने आप बीती जैसे ही दबंग प्रधान को बताई ये सुनकर दबंग प्रधान आग बबूला हो गया और पीड़ित को ही डाँटने लगा। पीड़ित परिवार ने इसकी शिकायत थाने में करने की बात कही तो दबंग प्रधान ने कहा के तुम शाम को 6 बजे आजाना।

मैं अपने भतीजे को बुलाकर आपके सामने डांट दूंगा और आपका फैसला करवा दूंगा ।शाम को 6 बजे के आस-पास दबंग प्रधान ने लतीफ पुत्र वाजिद को कॉल करके बोला के तुम घर पर आ जाओ मैं तुम्हारा फैसला करवा दूंगा।

लतीफ पुत्र वाजिद व ताहिर जैसे ही ग्राम कोट कादर में अशरफ प्रधान के घर पहुँचे वहां पहले से ही सोची समझी साज़िश के तहत घात लगाए बैठे मोहम्मद अशरफ असलम सलीम पुत्र रहमान आतिफ व मोहसिन पुत्र अशरफ जुबैर पुत्र असलम वे सरफराज पुत्र यासीन लतीफ पुत्र वाजिद व ताहिर पर लाठी डंडे वे सिरये और धारदार हथियारों से जान से मारने की नीयत से हमला कर दिया।

वाजिद मौके पर ही बेहोश हो गया जब कि ताहिर की बांई आँख में गंभीर चोट लगने के कारण दिखाई देना बंद हो गया। मौके पर बचाव में आए सादिक पुत्र महमूद व ग़ुफ़रान पुत्र अशरफ ने बचाने की कोशिश की दबंगों ने उन्हें भी मारपीट कर घायल कर दिया। पीड़ित परिवार घायलों को गंभीर अवस्था में लेकर थाना नगीना देहात पहुंचे। पुलिस ने गंभीर हालत देखते हुए सीएचसी नगीना भेज दिया।

डॉक्टरों ने मुआयना करते हुए गंभीर अवस्था मे बिजनौर रैफर कर दिया। बिजनौर जिला अस्पताल के डॉक्टरों ने ताहिर की हालत नाजुक बनी देखते हुए मेरठ हायर सेंटर रेफर कर दिया।

पीड़ित परिवार के दोनों पुत्र जिंदगी और मौत की लड़ाई लड़ रहे हैं। पीड़ित परिवार का कहना है कि दबंगौ के साथ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए और उन्हें सज़ा दिलाई जाए,और हमें इंसाफ मिले।

चोरी किए गए जेवरात किए बरामद

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

राजस्थान पुलिस ने चोरी के जेवरात खरीदने के आरोप में तीन दिन पूर्व नहटौर में तीन सर्राफा व्यापारियो के घर पर छापेमार कार्रवाई की थी।

पुलिस ने दो सर्राफा व्यापारियों को पकड़ा था।एक व्यापारी को पूछताछ के बाद छोड़ दिया था। एक आरोपी को बुधवार को लेकर नहटौर पहुंची।उसकी निशानदेही पर चोरी किए गए जेवरात बरामद किए।

जानकारी के अनुसार तीन दिन पूर्व नहटौर के मोहल्ला सराय जोखा सिंह, पठानो वाली मस्जिद व सुनारो वाली गली में तीन सर्राफा व्यापारियो के घरो पर छापेमार कार्रवाई की। पुलिस ने दो सर्राफा व्यापारियो को पकड़ लिया था। एक को पूछताछ के बाद छोड़ दिया था। एक सर्राफा व्यापारी को राजस्थान ले गई थी।

बताया जाता है कि राजस्थान के जोधपुर में चोरी के मामले छापेमार कार्रवाई की गई थी।97 ग्राम सोने के जेवरात खरीदे गए थे। राजस्थान ले गई व्यापारी को कोर्ट में पेश करने के बाद बुधवार को राजस्थान पुलिस नहटौर पहुंची।नहटौर पुलिस के साथ उसके घर पर पहुंचकर निशानदेही पर चोरी के जेवरात बरामद किए है। थानाध्यक्ष धीरज नागर ने राजस्थान पुलिस के आने की पुष्टि की है।

परिजनों ने पत्नी पर लगाया जहर देकर हत्या का आरोप

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

ग्राम फुलसन्दा खाकम मे एक महिला पर अपने पति को जहर देकर मारने का आरोप लगा है। जहर के सेवन से उसकी मौत होने पर परिवार में कोहराम मच गया। इस मामले मे पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उक्त युवक दिलशाद पुत्र अख्तर उम्र 30 वर्ष थी।

जानकारी के अनुसार ग्राम फुलसन्दा खाकम निवासी दिलशाद पुत्र अख्तर उम्र 30 वर्ष की शादी रुखसाना मौहल्ला ठाकुरान कस्बा थाना बढ़ापुर जनपद बिजनौर के साथ शादी हुई थी आरोप है कि दिलशाद की पत्नी अपने मायके वालों के साथ मिलकर दिलशाद को परेशान करती थी आरोप है कि चार माह पूर्व वह अपना सामान अपने मायके ले गई।

9 जून 2025 को देर शाम करीब 7:00 बजे वह गांव फुलसन्दा खाकम बिना सूचना दिए अपनी ससुराल आ गई तथा बुधवार की प्रातः किसी बात को लेकर कहां सुनी हुई कहां सुनी के तहत दिलशाद ने जहरीला पदार्थ खा लिया हालत बिगड़ने पर उसे उपचार के लिए के परिजन ले जा रहे थे। साथ ही राश्ते में उसने दम तोड़ दिया।

दम तोड़ने पर परिवार में कोहराम मच गया मृतक दिलशाद के भाई अशरफ पुत्र अख्तर ने दिलशाद की पत्नी रुखसाना जहर देकर हत्या करने का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी साथ ही सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को कब्ज़े मे लेकर पीएम के लिए भेज दिया।

थानाध्यक्ष धीरज नागर ने बताय कि मृतक युवक के भाई अशरफ के द्वारा तहरीर प्राप्त हो चुकी है साथ ही पीएम के लिए शव को भेज दिया गया है पीएम की रिपोर्ट आने के बाद अग्रिम कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

पत्रकारों ने अफजलगढ़ में ठंडा शरबत पिलाकर राहगीरों को दिलाई गर्मी से राहत

✷ एनसीआर टुडे. अफजलगढ़ ✷

गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी स्थानीय पत्रकारों द्वारा भीषण गर्मी में शबील लाकर राहगीरों को रूह अफजा का ठंडा व मीठा शरबत पिलाया। थानाध्यक्ष ने पत्रकारों के इस कार्य की सराहना की।

गुरुवार को अत्यंत भीषण गर्मी को देखते हुए स्थानीय पत्रकारों ने थाने के सामने हिंदुश्तान पेट्रोल के निकट शबील शिविर में लगाकर राहगीरों को रूह अफजा का शरबत पिलाया।

इस मौके पर शिविर में पहुंचे थाना अध्यक्ष सुमित कुमार राठी ने भीषण गर्मी के चलते पत्रकारों द्वारा राहगीरों को शरबत पिलाने के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि भंयकर गर्मी में राहगीरों को शरबत पिलाना पुण्य का काम होता है। यह कार्य करने से स्वंय इंसान की अंतरात्मा को भी राहत पहुंचती है तथा शरबत पीने वाला भी दुआएं देता है।

शबील शिविर में थाना अध्यक्ष सुमित कुमार राठी व एसएसआई श्रीपाल सिंह ने पत्रकारों के साथ मिलकर अपने हाथों से राहगीरों को शरबत पिलाया।

इसमें मोक़े पर मौजूद एस आई प्रवीण सिंह क़स्बा इंचार्ज, एसआई हरवीर सिंह, है. का. विशाल मलिक, का. राहुल कुमार, का. विपिन सिंधु' वरिष्ठ पत्रकार वीरेंद्र अग्रवाल, शेख़ मौहम्मद यूसुफ, सुनील कुमार, विनय भार्गव, इशरत अली, अजमल खान, सुनील नारायण, अमानत हुसैन, कमरुद्दीन, आमिर पठान, अनीस अहमद, मुजम्मिल खान सूरी, डॉक्टर जीशान अहमद, सुनील कुमार चौहड़वाला, आदि मौजूद थे

आरटीआई कार्यकर्ता ने किया रक्तदान शिविर का उद्घाटन

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

रक्त दान महादान टीम के वाट्सअप ग्रुप के तीन वर्ष पूरा होने पर रक्तदान शिविर का उदघाटन आरटीआई

कार्यकर्ता ने फीता काटकर किया।

नजीबाबाद के दरियापुर स्थित चेरीटेबल ब्लैड बैंक में संचालक हाजी फहीम अख्तर द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसका उद्घघाटन मुख्य अतिथि आरटीआई कार्यकर्ता मनोज शर्मा ने फीताकाटकर किया।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है और रक्तदान कर किसी की भी जान बचाई जा सकती है। उन्होंने सभी से रक्तदान करने की अपील की वक्ताओं ने रक्तदान के लाभ भी विश्तार से बताए।

इस मौके पर कई लोगों ने रक्तदान भी किया। वहीं मुख्य अतिथि तथा कार्यक्रम में आए अतिथियों को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में डॉक्टर सुभाष जैन, पंकज मेहरा, शगुफ्ता, प्रदीप गुसाई, कैकशा, वरिष्ठ सपा नेता हाजी मोहम्मद फैसल, फुरकान खा, हाजी वसीम अहमद, मोहम्मद कासिम जुनैद अंसारी, राहुल कुमार , कामिल शादाब अहमद, सलमान, ईसा मालिक, अफसर कुरैशी, आफताब राईन, भूपेंद्र शर्मा, हाजी शाहनवाज मंसूरी, मुकीम अहमद, हाजी शमशुल इस्लाम, आदि उपस्थित थे इस अवसर पर रक्त दान टीम के अन्य सदस्यों ने शिविर में बढ़ चढ़ कर हिसा लिया।

सरिये से भरी ट्रेक्टर ट्राली की चपेट में आने से स्कूटी सवार युवक की मौत

✷ एनसीआर टुडे. नजीबाबाद ✷

सरिया भरकर लेजा रहे ट्रेक्टर ट्राली की चपेट में स्कूटी सवार युवक आ गया जिसे देख मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। लोगो ने ट्रेक्टर के नीचे दबे स्कूटी सवार को बमुश्किल निकाला और हॉस्पिटल ले गए जहां डॉक्टर ने युवक को मृत घोषित कर दिया।

गुस्साए लोगो ने ट्रेक्टर चालक की जमकर धौलपूजा करते हुए पुलिस को सौंप दिया पुलिस ने चालक सहित ट्रेक्टर ट्राली कों कब्जे में ले लिया।

जनपद में समय-समय पर पुलिस प्रशासन अभियान चलता है के दुर्घटनाओं से कैसे बचा जा सके अगर प्रशासन द्वारा दी गई गाइड लाइन का पालन होगा तो काफी हद तक सड़क हादसों से बचा जा सकता है।

प्रशासन द्वारा बताया जाता है कि परिजन अपने बच्चों को वाहन चलाने की अनुमति ना दे ड्राइविंग लाइसेंस बनवाकर जरूर दे।

इसके अलावा नॉर्मल स्पीड में वाहन अपनी साइड में चलाए मोड़ पर हॉर्न का इश्तेमाल करे शराब पीकर गाड़ी का ना चलाए बड़े वाहन शीट बेल्ट लगाए छोटे वाहन हेलमेट लगाए पर अक्सर देखा जा रहा है।

प्रशासन के निर्देश को ताक पर रखकर वाहन चालने वाले लगातार हादसे का शिकार हो रहे हैं। बुधवार की शाम एक और सड़क हादसे में स्कूटी सवार युवक की मौत हो गई बताया जाता है की हिंदूपुर निवासी अकील नामक ट्रेक्टर चालक साहनपुर से ट्रॉली में सरिया भरकर लेजा रहा था।

कोतवाली मार्ग वालिया होटल के समीप सरिए से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली अनियंत्रित होकर स्कूटी सवार पर चढ़ गई मौके पर जमा भी ने स्कूटी सवार युवक को निकाल कर हॉस्पिटल में भर्ती कराया जहां डॉक्टर ने युवक को मृत घोषित कर दिया।

गुस्साए लोगो ने ट्रैक्टर चालक की जमकर धौलपूजा की। बताया जाता है कि युवक 24 वर्षीय कपिल कुमार किरतपुर क्षेत्र निवासी विद्युत विभाग में लाइमैन का का कार्य करता था। मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने ट्रैक्टर चालक व ट्रेक्टर ट्राली को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी।

लोकजनशक्ति पार्टी का जिलाध्यक्ष बनने पर रामनाथ सिंह का हुआ स्वागत

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

नगर के वरिष्ठ पत्रकार एवं आईएनओ के महामंत्री रामनाथ सिंह को लोक जनशक्ति पार्टी का जिला अध्यक्ष बनाए जाने पर पार्टी सदस्यों एवं पत्रकारों ने सम्मानित किया।

उत्तर प्रदेश लोक जनशक्ति पार्टी के प्रधान महासचिव राजीव मोहन गोयल ने प्रदेश अध्यक्ष पवन कुमार वर्मा के अनुमोदन से 30 अप्रैल को जनपद बिजनौर के मोहल्ला बक्शीवाला निवासी रामनाथ सिंह को जनपद बिजनौर का जिला अध्यक्ष पद पर नियुक्ति पत्र देकर लोक जनशक्ति पार्टी की विचारधारा एवं लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय भारत सरकार, चिराग पासवान के हाथों को मजबूत करने का आह्वान किया।

जिला अध्यक्ष रामनाथ सिंह ने प्रदेश प्रधान महासचिव को आश्वासन दिया कि जनपद बिजनौर में लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास की विचारधारा को जन जन तक पहुंचाने में पूरा सहयोग प्रदान करेंगे।

नगर के आर्य समाज स्थित सभागार में आयोजित कार्यक्रम में रामनाथ सिंह को फूल मालाएं पहनाकर स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित डॉ सत्येंद्र शर्मा अंगिरस, नरेंद्र कुमार मारवाड़ी, अवनीश कुमार मोंटी, नदीम अहमद, नवीन कुमार गर्ग, डॉ नरेंद्र सिंह योगाचार्य, बिजेंदर आर्य, डॉ ओपी शर्मा, जिला अध्यक्ष आईएनओ यादराम सिंह, हरीराज सिंह, पूर्व उप निरीक्षक एलआईयू रोहिताश सिंह, बी आर पाल, गूलशरण सिंह, हरीराज, केसरी वीरेंद्र प्रताप सिंह, हरि सिंह आदि ने रामनाथ सिंह को फूल मालाएं पहनाकर जिला अध्यक्ष बनने पर बधाई दी और उनसे आशा व्यक्त की गई कि वह पार्टी में रहकर जाति धर्म से ऊपर उठकर जन सेवा करेंगे तथा अधिक से अधिक लोगों को पार्टी में जोड़ने के लिए प्रयासरत रहेंगे।

स्वदेशी को अपनाकर हम विकसित और समृद्धशाली बना सकते हैं देश को - डॉ राजीव अरोड़ा

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

नजीबाबाद के वरिष्ठ चिकित्सक समाजसेवी डॉ राजीव अरोड़ा के प्रतिष्ठान पर स्वदेशी स्वरोजगार के अंतर्गत एक चर्चा वार्ता की गई। जिसमें डॉ राजीव अरोड़ा ने कहा कि हम सब अपने बच्चों को अच्छा पढ़ा लिखा कर दूसरों का नौकर बनने पर तुले हैं। जबकि हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी हर व्यक्ति से स्वरोजगार से जुड़ने की अपील करते हैं।

नरेंद्र मोदी कहते हैं कि हमें पढ़ लिखकर ऐसा काम करना चाहिए कि हम लोगों को रोजगार दे सकें और यह तभी हो सकता है जब हम स्वरोजगार से जुड़कर अपने देश को विकसित करने में अपना योगदान दें।

इससे हमारे देश का पैसा हमारे विकास पर कार्य करेगा और दूसरी तरफ देश से बेरोजगारी भी दूर होगी। डॉक्टर राजीव अरोड़ा ने कहा कि आपने स्वरोजगार के माध्यम से जो कार्य किया है यह बहुत ही सराहनीय कार्य है।

निश्चित रूप से आजकल केमिकल युक्त खाद्य पदार्थों की बिक्री अधिक होने से हमारे स्वास्थ्य पर भी बहुत प्रभाव पड़ रहा है। इसी का नतीजा है कि हम सब बड़ी तादाद में बीमार पड़ रहे हैं।

आपके माध्यम से यह काम जो आपने शुरू किया है निश्चित रूप से यह एक दिन सफलता हासिल करेगा। देश को समृद्धशाली बनाने में आपका भी योगदान होगा।

घोटाले, भ्रष्टाचार मुक्त आत्मनिर्भर मोदी सरकार के 11साल सुशासन में 27 करोड़ लोग गरीबी से उभरे : जसवंत सैनी

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

सरकार के 11 वर्ष का शासन काल घोटाले से रहित महिला उत्थान, आत्मनिर्भर भारत, 27 करोड लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाने, धारा 370 समाप्त करने, तीन तलाक को हटाने, वक्त बिल को लाने, देश की संस्कृति विरासत को सहजने, महिलाओं की भागीदारी हर क्षेत्र में सुनिश्चित किया जाने, उज्ज्वला योजना के अंतर्गत गैस का चूल्हा गैस सिलेंडर देने, करोड़ों लोगों को शौचालय निर्माण कर देने, के साथ किसानो को किसान सम्मान निधि देने के अलावा हर क्षेत्र में विकास के उच्च मापदंड स्थापित किये गये है।

उक्त दावा भाजपा कार्यालय पर आयोजित सेवा सुशासन के 11 वर्ष पर एक प्रेस कांफ्रेंस में संसदीय कार्य एवं उद्योगिक विकास राज्य मंत्री यशवंत सैनी ने करते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर इस बात का प्रमाण है कि मोदी सरकार आतंकवाद का कड़ा जवाब देने को हमेशा तत्पर है।

उन्होंने कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कि पहले आतंकवाद की निंदा करके औपचारिकता पूरी कर दी जाती थी |राज्य मंत्री ने कहा कि कि भारत सरकार ने गांव-गांव में 13 करोड़ शौचालय का निर्माण कराया है वही पीएम आवास योजना में 4 करोड़ आवास दिए जा चुके हैं जबकि 3 करोड़ और दिए जाने हैं।

उन्होंने कहा आजादी के बाद मोदी सरकार ने पहली बार गरीबों के लिए 52 करोड़ खाते बैंकों में खुलवाए, फल स्वरुप अब बिचौलियों का काम खत्म हो गया है लाभार्थी को सीधे उसके खाते में पैसा जाता है इसी तरह किसानों को डेढ़ लाख करोड रुपए सम्मान निधि के रूप में दिए जा चुके हैं, उन्होंने बताया कि मुफ्त चिकित्सा हो या 80 करोड़ गरीबों को मुफ्त राशन की व्यवस्था, इससे समाज के उत्थान में बड़ा योगदान मिला है।

राज्य मंत्री जसवंत सैनी दी सरकार के 11 साल की उपलब्धियों का बखान करते हुए कहा कि इसने कार्यकाल में एक भी घोटाला नहीं हुआ है जबकि पहले भ्रष्टाचार घोटाले होना आम बात हुआ करती थी। राज्य मंत्री ने कहा कि हमारा देश दुनिया की चौथी आर्थिक ताकत बनकर उभरा है, जिसके चलते दुनिया भर में भारत सम्मान के साथ देखा जाता है। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह बॉबी विधायक अशोक राणा पूर्व सांसद भारतेंद्र सिंह पूर्व जिला अध्यक्ष सुमन त्यागी, सदस्य महिला आयोग संगीता जैन, आदि भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नरेन्द्र मारवाड़ी बने प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक जर्नलिस्ट एसोसिएशन के मण्डल अध्यक्ष

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक जर्नलिस्ट एसोसिएशन के राष्ट्रीय सचिव डॉ सत्येंद्र शर्मा अंगिरस ने बिजनौर के वरिष्ठ एवं मान्यता प्राप्त पत्रकार नरेंद्र मारवाड़ी को संगठन का मुरादाबाद मंडल अध्यक्ष मनोनीत होने पर फूल माला पहनाकर उनका स्वागत किया।

जिला मुख्यालय पर स्थित आर्य समाज के सभागार में सामान्य समारोह की अध्यक्षता संगठन के जिला अध्यक्ष आलोक भारद्वाज एवं संचालन महामंत्री आशीष शर्मा ने किया।

इस समारोह में पत्रकार नदीम अहमद, नवीन कुमार गर्ग, अवनीश गौड़ मोंटी, रामनाथ सिंह, दीपेंद्र त्यागी जर्नलिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष विजेंद्र सिंह आर्य, वीरेंद्र सिंह आदि एवं पतंजलि योगपीठ के जिला पदाधिकारी उपस्थित रहे।

उपस्थित पत्रकारों ने श्री मारवाड़ी जी के मंडल अध्यक्ष बनाए जाने पर उनका फूल मालाएं पहनाकर स्वागत करते हुए बधाई दी।

समारोह में सभी पत्रकारों ने उनसे आशा व्यक्त करते हुए कहा कि वह हमेशा पत्रकार एकता एवं पत्रकारों के हितार्थ संघर्षरत रहेंगे और मंडल श्तर पर संगठन को मजबूत करने का कार्य करेंगे। नरेंद्र मारवाड़ी ने भी अपने मंडल अध्यक्ष बनाए जाने पर संगठन के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि वह अपने अनुभव तथा पूर्व की भांति पत्रकारों को साथ लेकर संगठन को निष्ठा पूर्वक मजबूत करने का कार्य करेंगे।

संगठन के राष्ट्रीय सचिव डॉ सत्येंद्र शर्मा अंगिरस ने बताया कि सन 2000 में स्थापित प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक जर्नलिस्ट एसोसिएशन देश के कई राज्यों में पत्रकारों को एकजुट करने का निरंतर कार्य कर रहा है। समय-समय पर प्रत्येक राज्यों में बैठकों एवं सम्मेलनों का आयोजन किया जाता है।

सौरभ हत्याकांड : पुलिस मुठभेड़ के बाद पकड़ा गया मुख्य आरोपी का चचेरा भाई

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

गाजियाबाद में सिपाही सौरभ की हत्या के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। गाजियाबाद पुलिस को सौरभ हत्याकांड में फरार चल रहे आरोपी साजिद के बारे में जानकारी मिली थी। इसके बाद मसूरी थाना क्षेत्र इलाके में आरोपी के साथ पुलिस की मुठभेड़ हुई।

इस मुठभेड़ के दौरान साजिद के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे घायल अवस्था में पकड़ा गया। आरोपी साजिश के पास से अवैध हथियार, खोखा और जिंदा कारतूस के अलावा एक मोटरसाइकिल बरामद की गई।

पुलिस को मुखबिर से जानकारी मिली थी कि आरोपी साजिद डासना की ओर से नाहल गांव की तरफ आने वाला है। मुखबिर की सूचना पर थाना वेव सिटी पुलिस ने गाजीपुर राश्ते पर चेकिंग शुरू की। इसी दौरान एक संदिग्ध बाइक सवार को रुकने का इशारा किया गया, लेकिन उसने बाइक को तेजी से कच्चे राश्ते की ओर मोड़ दिया। राश्ता खराब होने के कारण बाइक फिसलकर गिर गई।

पुलिस के अनुसार, खुद को घिरता देख आरोपी साजिद ने पुलिस टीम पर जानलेवा फायरिंग की। आत्मरक्षा में पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की और फायरिंग के बीच आरोपी साजिद के बाएं पैर में गोली लगी।

पूरे घटनाक्रम की जानकारी देते हुए सहायक पुलिस आयुक्त वेव सिटी, प्रियाश्री पाल ने कहा कि रात करीब 12.20 पर मसूरी थाना क्षेत्र इलाके में मुठभेड़ हुई। उन्होंने कहा कि सौरभ हत्याकांड में फरार चल रहे अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए कई टीमों का गठन किया गया था।

इनमें एक टीम इंस्पेक्टर अनिल राजपूत के नेतृत्व में बनाई गई थी। इस टीम को आरोपी साजिद के बारे में जानकारी मिली थी, जिसे मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया गया है। मुठभेड़ में घायल होने की वजह से उसे सीएचसी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

सीओ प्रियाश्री पाल ने कहा कि साजिद नाहल गांव का रहने वाला है और सौरभ हत्याकांड के प्रमुख आरोपियों में शामिल है। साजिद सौरभ हत्याकांड के मुख्य आरोपी कादिर का चचेरा भाई है।

संपादकीय

ये तपतपाए दिन

राजधानी दिल्ली का मौसमी तापमान 45 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया है। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान राज्यों के कई क्षेत्रों का तापमान 47-48 डिग्री को भी पीछे छोड़ चुका है। ऐसा लग रहा है मानो आग बरस रही हो! यदि आप अपने ही घर में वातानुकूलित कमरे से दूसरे कमरे में जाएंगे, तो आपका सामना आग के तूफान से होगा।

हवा में इतनी तपन है। बीता 9 जून अभी तक 'सबसे गर्म दिन' आंका गया है, जिस दिन बिजली की मांग 'चरम' तक पहुंच गई और 241 गीगावाट की मांग दर्ज की गई। नतीजतन केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय एयरकंडीशनर के नए मानक तय करने को विवश हुआ है। जब नए मानक बनकर लागू किए जाएंगे, तब एसी 20-28 तापमान के बीच ही चला सकेंगे। फिलहाल न्यूनतम तापमान 16 है। बहरहाल पूरे उत्तर भारत में आग बरस रही है और लू चलने की चेतावनियां दी जा रही हैं। पहाड़ी इलाकों में भी तापमान 40 डिग्री को पार कर चुका है।

लू जानलेवा स्थिति है, लिहाजा इसे 'चिकित्सीय आपातकाल' माना गया है। 'लू लगने' के सामान्य लक्षण ये हैं कि मानवीय शरीर का तापमान 104 डिग्री फॉरेनहाइट (40 डिग्री सेल्सियस) तक बढ़ जाता है। वह तेज बुखार की स्थिति है। बीते साल 18 जून तक लू (हीट स्ट्रोक) के 40,000 से अधिक मामले सामने आए थे। लू और तपतपाई गर्मी के कारण 110 लोगों की मौतें भी दर्ज की गई थीं। 2022 में तो 730 मौतें दर्ज की गईं। शायद यही बुनियादी कारण है कि मौसम विभाग लगातार रेड, येलो, ऑरेंज अलर्ट जारी कर रहा है। इस धधकते, तपते मौसम में सबसे बड़ा संकट खुले में काम करने वाले कामगारों के लिए है। भारत में 65-70 फीसदी कामगार इस भीषण गर्मी में भी काम करने को विवश हैं, क्योंकि उनका घर-परिवार दिहाड़ी पर ही चलता है।

इस संदर्भ में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का हश्तक्षेप बेहद महत्वपूर्ण है। आयोग ने राज्यों को दिशा-निर्देश जारी किए हैं कि वे कमजोर लोगों, खासकर आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों, बाहरी कामगारों, बुजुर्गों, बच्चों और बेघर लोगों की सुरक्षा के लिए तत्काल एहतियाती कदम उठाएं, जो पर्याप्त आश्रय और संसाधनों की कमी के कारण जोखिम में हैं। आयोग के अध्यक्ष जस्टिस वी. रामसुब्रह्मण्यन ने राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) द्वारा भीषण गर्मी और लू के कारण होने वाली मौतों की रपट का संज्ञान ले और राज्यों को निर्देश दे। एनसीआरबी की रपट के मुताबिक, 2018 से 2022 के बीच गर्मी और लू के कारण देश में 3798 लोगों की मौतें हुईं।

मानवाधिकार आयोग ने राज्यों को जारी पत्र में लिखा है कि गर्मी और लू की लहरों के प्रभाव को कम करने के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के दिशा-निर्देशों का प्रभावी तौर पर पालन करना चाहिए, ताकि संभावित नुकसान को रोका जा सके। बहरहाल बीते कई वर्षों से हमारे संवेदनशील प्रशासन ने मौसम की चरम स्थितियों में नियोक्ताओं के लिए कुछ सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। मसलन-ऐसे तपतपाए दिनों में दोपहर 12.30 बजे से सायं 4.30 बजे तक खुले में काम कराने पर रोक लगाई गई है। कामगारों के लिए छायादार जगह और ठंडा पेयजल भी होना अनिवार्य है। महानगरों और बड़े शहरों में बिजली की आपूर्ति पहले की अपेक्षा सुधरी है, लिहाजा काम करने की जगह भी पंखे की मौजूदगी होने लगी है, लेकिन गांव-कस्बों में अब भी घंटों बिजली के कट लगाए जा रहे हैं, वहां आम आदमी और कामगार दोनों ही परेशान हैं।

बहरहाल हमारी व्यवस्था में अब भी बहुत कुछ बदला और सुधारा जाना है। ये तपतपाए दिन जलवायु-परिवर्तन की भी देन हैं। मौसम का चक्र बदलता जा रहा है। कुछ दिन पहले तक खूब बारिश हो रही थी, लेकिन बीते सात दिनों में ही तापमान में 8-13 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी हुई है। उत्तर-पश्चिम भारत में पश्चिमी हवाएं चल रही हैं, जो पाकिश्तान के रेगिश्तानी इलाकों से आ रही हैं। खाड़ी देशों, खासकर इराक, सऊदी अरब के अधिकांश इलाकों में तापमान बीते एक सप्ताह से 46 डिग्री के आसपास है। पाकिश्तान के इलाकों में भी करीब 47 डिग्री सेल्सियस का तापमान है। बहरहाल राहत तब ही संभव है, जब मॉनसून फिर सक्रिय होकर बरसेगा।

बालपन/पछतावा... (कहानी)/डॉ. योगेंद्रनाथ शुक्ल

ये जूते कितने के हैं? साहब आठ सौ पचास रुपए के

दुकानदार से भाव सुनकर धीरज बाबू ने अपने बेटे को धीरे से समझाया पुनीत! मैं तुम्हें दूसरी दुकान लिए चलता हूं... ये जूते बहुत महंगे हैं। दोनों उस दुकान से बाहर निकलने लगे।

अरविंद के पिताजी और मेरे पिताजी एक ही पद पर हैं लेकिन दोनों में कितना अंतर है, उसके पिताजी उसकी हर मांग पूरी करते हैं, उसकी हर चीज कितनी अच्छी होती है और मेरे पिताजी को खरीदते समय कितना सोचते हैं?

अपने मनपसंद जूतों को न खरीद पाने के कारण पुनीत मन ही मन झल्ला रहा था और अपने पिताजी की कंजूसी पर उसे क्रोध भी आ रहा था।

मैं जो कपड़े पहनता हूं, उससे अच्छे तुम्हें पहनाता हूं। तुम तसल्ली रखो, मैं तुम्हें अच्छे जूते दिलवाऊंगा। बेटा! ईमानदारी के पैसों को फिजूल में खर्च करने की मैं हिम्मत नहीं जुटा पाता हूं। तुम बड़े होकर समझोगे कि ईमान और बेईमानी के धन में क्या फर्क होता है। अपनी बात पूरी कर पिताजी ने पुनीत के सिर पर हाथ रख दिया। पुनीत चाहकर भी निगाहें ऊपर नहीं कर पा रहा था। पिताजी की बात सुनकर पुनीत को अपनी सोच पर पछतावा हो रहा था, शायद इसीलिए उसके मन में अपने और अरविंद के पिताजी अब उसके लिए बुराई और अपने पिताजी श्रद्धा के पात्र बन गए थे।

(कहानी की सीख : हमें हमेशा सच्चाई और ईमानदारी के रास्ते पर चलना चाहिए... ।)

भारतः आत्म बल से आगे बढ़ता राष्ट्र

प्रो. महेश चंद गुप्ता

भारत ने हाल ही में जिस 'ऑपरेशन सिंदूर' को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है, वह केवल एक सैन्य ऑपरेशन नहीं बल्कि उसकी रणनीतिक सोच, वैश्विक दृष्टिकोण और राष्ट्र की सामूहिक ताकत का प्रतीक बन गया है। इस ऑपरेशन की सफलता ने भारत को एक बार फिर यह साबित करने का मौका दिया कि वह केवल एक बड़ी जनसंख्या या पुरातन संस्कृति वाला देश नहीं बल्कि एक रणनीतिक, तकनीकी और सैन्य शक्ति भी है जो वैश्विक समीकरणों को प्रभावित करने में सक्षम है। भारत अब आत्म बल से आगे बढ़ता हुआ राष्ट्र है।

भारत की बढ़ती शक्ति और वैश्विक पहचान देशवासियों के लिए गौरव का विषय है। ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की रक्षा क्षमता को दुनिया के सामने एक बार फिर मजबूती से प्रश्तुत किया है। संदेश स्पष्ट है कि भारत अपनी ताकत का प्रयोग केवल आवश्यकता पडऩे पर करता है लेकिन जब करता है तो पूरी सटीकता और सफलता के साथ करता है। इस अभियान के बाद अंतरराष्ट्रीय समुदाय की नजरें भारत की ओर टिक गई हैं। अमेरिका और चीन जैसे वैश्विक शक्ति केंद्रों को अब यह समझ आने लगा है कि भारत केवल उभरती हुई अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि एक संभावित नेतृत्वकर्ता राष्ट्र है जो 'वसुधैव कुटुम्बकम' के सिद्धांत के साथ आगे बढ़ रहा है।

भारत की सोच केवल अमेरिका या चीन की बराबरी करने की नहीं है बल्कि उनसे आगे निकलने और विश्वगुरु के रूप में स्थापित होने की है। ऑपरेशन सिंदूर की सबसे रोचक बात यह रही कि इससे भारतीय राजनीति में भी एक नई चेतना का संचार हुआ। ओवैसी और शशि थरूर जैसे जो नेता पहले सरकार विरोधी माने जाते थे, उन्होंने भी इस ऑपरेशन की सराहना की और राष्ट्रहित को सर्वोपरि माना। इन नेताओं ने भारतीय प्रतिनिधि मंडल के सदस्य के रूप में विश्व के विभिन्न देशों में जा कर जिस मजबूती से भारत का पक्ष रखा और पाकिस्तान को बेनकाब किया है, उससे यह स्पष्ट हुआ कि जब बात देश की सुरक्षा और प्रतिष्ठा की होती है, तो राजनीतिक मतभेद पीछे छूट जाते हैं और 'भारत पहले' की भावना सर्वोपरि हो जाती है।

यह राष्ट्रवाद का वही रूप है जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक से भारतीय जनमानस में गहराता गया है। 2014 से जो राष्ट्र निर्माण की लहर शुरू हुई, वह अब स्पष्ट परिणाम देने लगी है। भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था ने उसे वैश्विक निवेश और तकनीकी साझेदारी का केंद्र बना दिया है। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के साथ-साथ भारत ने तकनीकी मोर्चे पर भी बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं।

कश्मीर में बना चिनाब नदी पर दुनिया का सबसे ऊंचा चिनाब रेलवे ब्रिज केवल एक निर्माण परियोजना नहीं बल्कि इंजीनियरिंग कौशल और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का आश्चर्यजनक नमूना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चिनाब ब्रिज के साथ श्रीनगर के लिए पहली वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर लंबे अरसे से देखे जा रहे सपने को साकार कर दिया है।

इसी के साथ कश्मीर देश के बाकी हिस्सों से जुड़ गया है। अब कश्मीर से कन्याकुमारी तक सीधी ट्रेन यात्रा संभव हो सकेगी। यह जम्मू और कश्मीर के डोगरा राजा महाराजा प्रताप सिंह का सपना था, जिन्होंने 1880 के दशक के अंत में इस मार्ग की कल्पना की थी और सर्वेक्षण के लिए ब्रिटिश इंजीनियरों को लगाया था। कश्मीर घाटी के लोगों के लिए ये ट्रेन न सिर्फ हर मौसम में आने-जाने के लिए एक भरोसेमंद साधन बन गई है बल्कि इससे इलाके में पर्यटन और व्यापार को बढ़ावा मिलने की भी

उम्मीद है। इससे पहले अप्रेल में मोदी ने तमिलनाडु के रामेश्वरम में भारत के पहले वर्टिकल लिफ्ट पंबन सी ब्रिज का उद्घाटन किया था। समुद्र के ऊपर बना यह रेलवे ब्रिज अतीत और भविष्य को जोड़ता है।

भारत में अब राफेल लड़ाकू विमानों के मुख्य ढांचे का निर्माण हैदराबाद में किया जाएगा जो कि 'मेक इन इंडिया' पहल की एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। इसके लिए टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड और फ्रांस की डसॉल्ट एविएशन के बीच हुआ एग्रीमेंट बताता है कि अब भारत केवल आयातक नहीं बल्कि रक्षा उत्पादों का निर्माता और निर्यातक भी बन रहा है। भारत अब हथियारों का सिर्फ उपभोक्ता नहीं, निर्माता और निर्यातक भी बन रहा है। डिफेंस सेक्टर में प्राइवेट कंपनियों की भागीदारी भारत को आत्मनिर्भर बना रही है। रक्षा उत्पादन में भारत का भविष्य बेहद उज्ज्वल है।

रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता भारत की बड़ी उपलब्धि है। भारत ने रक्षा क्षेत्र में निजी क्षेत्र को प्रवेश देने की नीति अपनाकर एक बड़ा बदलाव किया है। इससे प्रतिस्पर्धा, नवाचार और गुणवत्ता को बढ़ावा मिला है। भारत और रूस के संयुक्त प्रयास से विकसित हुई ब्रह्मोस मिसाइल की ऑपरेशन सिंदूर के विश्व बाजार में मांग बढ़ी है और कई देश अब भारत से रक्षा उपकरण खरीदने में रुचि दिखा रहे हैं।

उम्मीद है, भारत अगले दस वर्षों में रक्षा क्षेत्र में वैश्विक प्रतिस्पर्धा को पीछे छोड़ देगा। इतना ही नहीं, स्वदेशी तकनीक और स्टार्टअप्स के जरिए भारत अपने डिफेंस सेक्टर को पूरी तरह आत्मनिर्भर बनाने की ओर अग्रसर है। भारत ने सिर्फ रक्षा नहीं बल्कि ऊर्जा, स्वास्थ्य और तकनीक के क्षेत्रों में भी उल्लेखनीय प्रगति की है। सौर ऊर्जा के क्षेत्र में भारत विश्व में अग्रणी बन रहा है। सरकार की योजनाओं और प्राइवेट निवेश के समन्वय से भारत अब ऊर्जा निर्यातक देश बनने की राह पर है।

अब भारत में सेमीकंडक्टर निर्माण शुरू हो चुका है। यह वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का सबसे अहम हिस्सा है। अब भारत में इससे भारत को इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे क्षेत्रों में भी आत्मनिर्भरता मिलेगी। भारत की विदेश नीति अब केवल अपने हितों तक सीमित नहीं रही बल्कि दुनिया को साथ लेकर चलने की नीति पर केन्द्रीत है। प्रधानमंत्री मोदी का यह स्पष्ट दृष्टिकोण रहा है कि भारत वैश्विक नेतृत्व में केवल भागीदार नहीं बल्कि मार्गदर्शक की भूमिका निभाना चाहता है। जी 20 की अध्यक्षता, वैश्विक मंचों पर भारत की सक्रिय भागीदारी, ऑपरेशन सिंदूर के बाद बदला परिदृश्य इस बात के संकेत हैं कि भारत अब एक संतुलनकारी शक्ति बनकर उभर रहा है। हालांकि भारत की प्रगति उल्लेखनीय है लेकिन चुनौतियां भी कम नहीं हैं। तमाम चुनौतियों से जूझते हुए भारत आगे बढऩे को दृढ़ संकल्पित है। समग्र विकास और समग्र क्रांति की सोच वाले भारत की नीति अब स्पष्ट है।

2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का सपना केवल एक राजनीतिक घोषणापत्र नहीं बल्कि एक राष्ट्रीय लक्ष्य है। इसके लिए नीति, नियत और नागरिक तीनों का सहयोग आवश्यक है और यही तीनों आज एकजुट होकर भारत को आगे ले जा रहे हैं।

ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की सैन्य क्षमता को दिखाने के साथ-साथ एक संदेश भी दिया है कि भारत अब अपने हितों को लेकर संकोच नहीं करता। वह शांति चाहता है, लेकिन किसी भी हश्तक्षेप या चुनौती का जवाब देने में सक्षम है। भारत अब उस मुकाम पर है जहां से वह केवल अपनी समस्याएं ही नहीं सुलझा रहा बल्कि वैश्विक समस्याओं के समाधान में भी भागीदारी निभा रहा है। यही है नया भारत, जो आत्मनिर्भर, शक्तिशाली, तकनीकी रूप से उन्नत, और दुनिया के साथ कदम मिलाकर चलने को तत्पर है। यह उस नये भारत की झलक है जो आत्म विश्वास, एकता, नवाचार और नेतृत्व की भावना से परिपूर्ण है।

'पेसा' से लागू होगा सरना धर्म कोड

सुधीर पाल

झारखंड की राजनीति इन दिनों एक ऐसे विषय के इर्द-गिर्द घूम रही है, जिसे अगर ठीक से समझा जाए तो यह न केवल राज्य की सांस्कृतिक अस्मिता का प्रश्न है, बल्कि देश की लोकतांत्रिक आत्मा के लिए भी एक कसौटी-परीक्षण है।

हम बात कर रहे हैं सरना धर्म कोड की- एक मांग जो आदिवासी समुदाय की धार्मिक पहचान, परंपरा और आत्मनिर्णय से जुड़ा है। बिडम्बना है कि यह गंभीर मुद्दा एक बार फिर राजनीतिक गलियारों में भावनात्मक शस्त्र के रूप में इश्तेमाल हो रहा है।

सरकार हो या विपक्ष, दोनों ही सरना धर्म कोड विषय पर मौकापरश्त रवैया अख्तियार किए हुए हैं। राज्य सरकार केंद्र सरकार को दोष देती है, और केंद्र सरकार इसे तकनीकी प्रक्रिया बता कर टालती रही है। यह विषय केवल जनगणना के एक कॉलम भर की बात नहीं है, बल्कि आदिवासी अस्मिता, धार्मिक स्वतंत्रता और संविधान द्वारा प्रदत्त आत्म-निर्णय के अधिकार से गहराई से जुड़ा है। लेकिन बड़ा सवाल है-क्या इस पूरे विमर्श में कहीं पेसा 1996 को देखा गया है? क्या पेसा कानून, जिसे आदिवासी स्वशासन की आत्मा माना जाता है, इस मुद्दे का वैकल्पिक समाधान प्रस्तुत नहीं करता?

झारखंड के आदिवासी समुदाय लंबे समय से एक अलग धर्म पहचान की मांग करते आ रहे हैं जिसे वे सरना धर्म के नाम से जानते हैं। यह धर्म प्रकृति पूजक है, जिसकी मान्यताएँ जंगल, पहाड़, नदी और पुरखों की आत्मा से जुड़ी हैं। सरना धर्म कोड की मांग का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जनगणना प्रपत्र में एक स्वतंत्र धर्म कॉलम हो, जहाँ आदिवासी समुदाय खुद को हिंदू, ईसाई या किसी अन्य धर्म की श्रेणी में जबरन फिट करने के बजाय, अपनी वाश्तविक धार्मिक पहचान के साथ अंकित कर सकें।

भारत की जनगणना प्रणाली में आदिवासियों को स्पष्ट रूप से धार्मिक रूप से पहचानने की कोई स्वतंत्र व्यवस्था नहीं रही है। इसका परिणाम यह होता है कि उन्हें आमतौर पर हिंदू या ईसाई मान लिया जाता है, जिससे उनके धार्मिक अशितत्व को अनदेखा किया जाता है। आदिवासियों का यह दावा रहा है कि उनकी धार्मिक पहचान किसी स्थापित धर्म से मेल नहीं खाती। सरना धर्म वाश्तव में एक प्राकृतिक धर्म है जो प्रकृति के साथ सहअशितत्व और पूर्वजों की आत्मा की उपासना पर आधारित है।

केंद्र सरकार की विचारधारा

भारत सरकार विशेष रूप से वर्तमान शासन के दौरान आदिवासी आस्था पद्धतियों को सनातन धर्म की उप-धारा मानती रही है। उनके अनुसार, चूंकि आदिवासी भी हिंदुओं की तरह पेड़-पौधों, पत्थर, नदी, झरने, देवी-देवताओं की पूजा करते हैं, इसलिए वे हिंदू धर्म के ही अंग हैं। यह मान्यता आदिवासी धार्मिक स्वतंत्रता और पहचान की स्वायत्तता के बिलकुल खिलाफ है।

सरना धर्म न तो मूर्तिपूजक है, न ही वह वेदों या शास्त्रों पर आधारित है। उसकी पहचान स्थानीय परंपराओं, प्रकृति और सामुदायिक पूजा में है। इसलिए जब सरकार यह मानती है कि सरना, सनातन का ही रूप है, तो वह आदिवासी समाज की धार्मिक स्वायत्तता का हनन करती है।

सरना अनुयायियों का तर्क है कि उनकी पूजा-पद्धति में कोई संगठित मंदिर, पुरोहित व्यवस्था या धार्मिक ग्रंथ नहीं होते, जो कि ब्राह्मणवादी ढांचे से अलग है। यह भिन्नता केवल सांस्कृतिक नहीं बल्कि धार्मिक और वैधानिक रूप से भी विशिष्ट है।

पेसा और सरना धर्म कोड का अंतर्संबंध

इसी पृष्ठभूमि में पेसा अधिनियम 1996 एक वैधानिक विकल्प और संभावित मार्ग के रूप में उभरता है। पेसा, संविधान के 73वें संशोधन के बाद अनुसूचित क्षेत्रों में समुदायों को विशेष अधिकार देने के लिए लाया गया था। इस कानून की धारा 4(डी) की मान्यता हैः

हर ग्रामसभा को यह अधिकार होगा कि वह अपने क्षेत्र की परंपरा, रिवाज, उपासना पद्धति और धार्मिक विश्वासों का संरक्षण, संवर्धन और दश्तावेजीकरण कर सके। यहां तीन शब्द अत्यंत महत्वपूर्ण हैंः

संरक्षण, संवर्धन, और दश्तावेजीकरण। यानी ग्रामसभा न केवल अपनी धार्मिक मान्यताओं को बनाए रख सकती है, बल्कि उन्हें आधिकारिक रूप से दर्ज भी कर सकती है। यानी ग्रामसभा न केवल अपनी धार्मिक मान्यताओं को बनाए रख सकती है, बल्कि उन्हें आधिकारिक रूप से दर्ज भी कर सकती है।

इससे यह निष्कर्ष निकलता है कि अगर राज्य सरकार ईमानदारी से चाहे तो वह पेसा को प्रभावी रूप से लागू करके ग्रामसभाओं को यह अधिकार दे सकती है कि वे सरना को अपनी मान्य उपासना पद्धति के रूप में दश्तावेजीकृत करें। एक बार जब यह दश्तावेजीकरण ग्रामसभा के श्तर पर हो गया और उसे राज्य मान्यता दे दे, तो यह कानूनी रूप से मान्य दश्तावेज बन सकता है, जिससे जनगणना या सरकारी पहचान में सरना धर्म की वैधानिकता को बल मिलेगा।

यह एक क्रांतिकारी प्रावधान है। यह पहली बार भारतीय कानून में यह स्वीकार किया गया कि परंपरा, रिवाज और उपासना पद्धति केवल संस्कृति नहीं, बल्कि वैधानिक अधिकार हैं। यह वह कानूनी आधार है जो सरना धर्म जैसी आस्था को स्थानीय स्वीकृति से लेकर राज्यश्तरीय मान्यता तक पहुंचा सकता है। जब हज़ारों ग्रामसभाएं कहें कि हम सरना धर्म के अनुयायी हैं, तो यह न केवल सांस्कृतिक शक्ति बनेगा, बल्कि वैधानिक बल भी होगा।

यदि झारखंड सरकार पेसा को पूर्णतः लागू करे और ग्रामसभाओं को उनके परंपरागत धर्म, पूजा विधियों और विश्वासों को औपचारिक रूप से दर्ज करने का अधिकार दे दे, तो ग्रामसभा द्वारा मान्य सरना धर्म एक कानूनी दश्तावेज में बदल सकता है। जब हज़ारों ग्रामसभाएं कहें कि हम सरना धर्म के अनुयायी हैं, तो यह न केवल सांस्कृतिक शक्ति बनेगा, बल्कि वैधानिक बल भी होगा।

अब प्रश्न उठता है कि जब पेसा यह कहता है कि ग्रामसभा अपने उपासना पद्धति को मान्यता दे सकती है, तो क्या यह राश्ता सरना धर्म कोड को भी वैधानिक वैधता दे सकता है? हाँ, यदि राज्य सरकार इच्छा शक्ति दिखाए।

यह विधिक वैधता जनगणना में धर्म कॉलम में एक स्वतंत्र स्थान की मांग को और भी अधिक मजबूत बना सकती है। इससे यह स्पष्ट संकेत जाएगा कि सरना कोई व्यक्तिगत आस्था नहीं बल्कि सामुदायिक और परंपरागत धार्मिक संरचना है।

ग्रामसभा के प्रमाणन की शक्ति

झारखंड में पेसा-1996 के नियमावली को अधिनियमित करने की प्रक्रिया चल रही है। नियमावली के लागू होने के बाद ग्रामसभा अपने नियम, परंपराएं और निर्णय प्रक्रिया खुद तय कारण के लिए कानूनी तौर पर अधिकृत हो जाएंगी। पेसा के तहत ग्रामसभा अपने धर्म की पहचान दर्ज कर सकती है और यह सरना धर्म को एक व्यवस्थित और विधिसम्मत रूपरेखा के तौर पर स्थापित कर सकती है।

यहाँ राज्य सरकार को एक साहसिक और दूरदर्शी निर्णय लेना होगा - केंद्र सरकार की अनुमति की प्रतीक्षा करने के बजाय राज्य के श्तर पर ही पेसा की शक्तियों को क्रियान्वित करना होगा। यह निर्णय झारखंड के लिए एक संवैधानिक प्रयोग बन सकता है जो पूरे भारत में अनुसूचित क्षेत्रों के लिए एक उदाहरण होगा।

पेसा के तहत ग्रामसभा को सत्यापन और प्रमाणीकरण का अधिकार प्राप्त है। इसका अर्थ है कि यदि ग्रामसभा किसी बात को प्रमाणित करती है - जैसे, कोई परिवार सरना धर्म का अनुयायी है - तो वह प्रमाणन वैधानिक होगा।

झारखंड सरकार चाहें तो राज्य के जाति-आधारित प्रमाणपत्र की तरह एक धार्मिक पहचान प्रमाणपत्र की प्रणाली शुरू कर सकती है जिसमें ग्रामसभा द्वारा प्रमाणित सरना अनुयायी को राज्य श्तर पर धार्मिक मान्यता दी जाए। यह प्रणाली न केवल संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करेगी बल्कि इसे आधार बनाकर केंद्र सरकार पर दबाव भी डाला जा सकता है कि वह इसे जनगणना प्रपत्र में स्थान दे। भारतीय संविधान का अनुच्छेद-25 हर नागरिक को अपने धर्म को मानने, प्रचार करने और आचरण करने की स्वतंत्रता देता है। इसमें यह नहीं कहा गया कि कोई धर्म तभी मान्य होगा जब वह किसी शास्त्र, देवता या पुरानी किताब से जुड़ा हो।

यदि संविधान हर नागरिक को धार्मिक स्वतंत्रता देता है, तो आदिवासी समाज को सरना धर्म के नाम से पहचान पाने का अधिकार है, और उसे जबरन हिंदू या ईसाई बताना संविधान का उल्लंघन है। पेसा 1996 इसी संवैधानिक भावना की पूर्ति करता है।

राजनीतिक दल सरना धर्म को भावनात्मक मुद्दा बनाकर चुनावी लाभ लेना चाहते हैं, लेकिन इसका समाधान सिर्फ भावनाओं से नहीं बल्कि वैधानिक और संवैधानिक उपायों से निकलेगा। पेसा, ग्रामसभा की शक्ति और राज्य सरकार की इच्छाशक्ति - ये तीन श्तंभ सरना धर्म को एक विधिसम्मत धर्म कोड में बदल सकते हैं।

जन-आस्था से जन-अधिकार की ओर

झारखंड में सरना धर्म कोड केवल एक धार्मिक मांग नहीं है। यह मांग झारखंड की आदिवासी आत्मा, सांस्कृतिक विरासत और संविधान प्रदत्त अधिकारों की मांग है। पेसा 1996 और नियामावली जैसे विधिक उपायों के जरिए इस मांग को संवैधानिक और कानूनी आंदोलन में बदला जा सकता है।

यह समय है जब राज्य सरकार केवल केंद्र की प्रतीक्षा न करते हुए, अपने अधिकारों का प्रयोग करे और सरना धर्म को वैधानिक वैधता प्रदान करे। यही झारखंड की अस्मिता की सच्ची रक्षा होगी। इससे दो बड़े लाभ होंगेः पहला, सरना धर्म की पहचान न केवल भावनात्मक बल्कि कानूनी रूप से भी सुरक्षित होगी। और दूसरा कि राजनीतिक दखल और केंद्र की सहमति की अनिश्चितता से छुटकारा मिलेगा।

झारखंड जैसे राज्य, जहां पेसा लागू करने की निरंतर मांग हो रही है, सरकार का दायित्व है कि वह इस कानून का रचनात्मक उपयोग करें। ग्रामसभा को अधिकार देकर, नियमावली को मान्यता देकर और दश्तावेजीकरण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाकर, हम एक ऐसे मॉडल की ओर बढ़ सकते हैं जहां धार्मिक पहचान सरकार की मर्जी पर नहीं, समुदाय की सहमति पर आधारित हो। अंततः, पेसा 1996 यही तो सिखाता है-सत्ता नीचे से ऊपर की ओर जाए, और सांस्कृतिक विविधता को राज्य संरक्षित करे, नियंत्रित नहीं।

राहुल को पार्टी में मजबूत नेतृत्व दिखाना होगा!

शकील अख्तर

कांग्रेस की यह बहुत बड़ी सच्चाई है कि इसके नेता किसी के सगे नहीं होते हैं। इन्हें सिर्फ सत्ता दिखती है। निजी लाभ। इसके लिए वे किसी से भी धोखा कर सकते हैं। यह राजा रजवाड़ों वाला खेल है कि कमजोर हुए कि दरबारियों ने की बगावत। 11 साल हो गए सत्ता से बाहर हुए, कांग्रेसियों में बहुत बैचेनी है।... राहुल में बहुत मानवीय गुण हैं। मगर यहां मुकाबला मजबूती का है। मजबूत नेतृत्व दिखाने का।

मनीष तिवारी सफाइयां दे रहे हैं। क्यों? क्योंकि पंजाब जहां वे राजनीति करते हैं वहां भाजपा की कोई जमीन नहीं है। पंजाब में अगर राजनीति करना है तो सम्मान के साथ रहने की एक ही जगह है और वह है कांग्रेस। मुख्यमंत्री रहे दो बार कैप्टन अमरिन्दर सिंह भाजपा में जाकर खत्म हो गए।

बलराम जाखड़ के लड़के सुनील जाखड़ जो पंजाब प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष रहे भाजपा में जाकर शून्य हो गए। इसलिए मनीष तिवारी को बिना कांग्रेस से पूछे उन लोगों के साथ विदेश जाने, जो वहां से रोज कांग्रेस को गालियां देते थे निशिकांत दुबे अब अपने जाने को जस्टिफाई करना (उचित ठहराना) पड़ रहा है।

मंगलवार की शाम प्रधानमंत्री मोदी ने डिनर में कांग्रेस के नेताओं के साथ कैमरे के सामने सबसे ज्यादा समय बिताया। जो फोटो वीडियो वहां से आए उनमें खुद बीजेपी के नेता और उसके सहयोगी दलों के नेता नहीं दिख रहे हैं। बल्कि शशि थरूर, सलमान खुर्शीद, आनंद शर्मा, मनीष तिवारी और मोदी द्वारा काफी समय से भुलाए रखने के बाद अभी विदेश जाने के लिए मुस्लिम नेता की जरूरत पड़ने से याद किए गए गुलामनबी आजाद ही हाईलाइट किए जा रहे हैं।

ये सब वे नेता हैं जिन्हें कांग्रेस ने सब कुछ दिया। लेकिन इनकी तृष्णा खतम नहीं हुई। सब अनुभवी नेता हैं तो जानते हैं कि वहां मोदी जी देंगे कुछ नहीं और अपमान ज्यादा होगा। इसलिए कांग्रेस में रहकर मोदी जी का काम करना ज्यादा बेहतर है। कांग्रेस के बारे में इन्हें पता है कि बहुत ढीला ढाला संगठन है इनके खिलाफ कुछ नहीं करेगा।

बिल्कुल सही समझते हैं। अभी जब हम यह लिख रहे हैं कांग्रेस ने लक्ष्मण सिंह को पार्टी से 6 साल के निकाल दिया। दिग्विजय सिंह के भाई लक्ष्मण सिंह पूर्व सांसद रहे हैं। भाजपा में जा चुके हैं। उनकी कोई अपनी पहचान नहीं है। न राजनीति में कोई महत्व। वही दिखाने के लिए उन्होंने पहलगाम हमले के बाद उमर अब्दुल्ला और राहुल गांधी के खिलाफ बयान दिया था। ऐसे बयान की कांग्रेस में अनदेखी होती रही हैं। नहीं तो

इससे कई गुना भयानक बयान सलमान खुर्शीद दे चुके हैं कि बटला हाउस एनकाउन्टर के बाद सोनिया गांधी रो रही थीं। और भी तमाम बिना सिर पैर की बातें जैसे फिर राहुल को खुश करने के लिए कहा कि मुझे उनमें राम दिखाई देते हैं। और फिर उनके मित्र आचार्य प्रमोद ने कहा कि उन्हें सलमान खुर्शीद के दिल में राम दिखाई देते हैं।

जाने क्या क्या? खाली इन कांग्रेस के चार पांच चेहरों पर ही लिख दें तो पूरी किताब हो जाएगी। सलमान का उदाहरण दे रहे थे तो यह भी बता दें कि मौखिक बयान अपनी जगह हैं लेकिन किताब में लिखना बड़ी बात है। सलमान ने अपनी किताब 'सनराइज ओवर अयोध्या' में हिन्दुत्व की तुलना आतंकवादी संगठनों से की थी। यह भी कह चुके हैं कि मुसलमानों के खून से कांग्रेस के भी हाथ रंगे हुए हैं। और अभी विदेशी दौरे पर इंडोनेशिया में यह कहा कि 370 हटने के बाद कश्मीर में खुशहाली आई है जो कुछ लोगों को अच्छी नहीं लग रही।

पहलगाम हमले के बाद खुशहाली की बात करना! और चलो आपके हिसाब से है भी तो कटाक्ष किस पर? कांग्रेस पर! मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला पर! तो कह यह रहे थे कि कांग्रेस इन लोगों को नहीं निकालती। लक्ष्मण सिंह को निकालती है। जिनका कोई वजूद नहीं है। एक मात्र पहचान दिग्वजय सिंह के छोटे भाई की है। इन पर कार्रवाई करने से क्या होगा?

अगर करना है तो शशि थरूर और मनीष को तो अभी लोकसभा में जिताया उन्हें छोड़ दीजिए नहीं तो दल बदल कानून के तहत वे पार्टी से निकल कर भी अपनी लोकसभा सीट बचा लेंगे। लेकिन सलमान खुर्शीद और आनंद शर्मा को तो तुरंत पार्टी से निकाल देना चाहिए। देखें भाजपा क्या देती है। पद ओहदा छोड़

दीजिए। सम्मान देखिए कितना मिलता है? अभी कांग्रेस में हैं तो मोदी जी डिनर में खिलखिलाते हुए कर मिल रहे थे हाथ मिला रहे थे नहीं तो शिवराज सिंह चौहान को देख लीजिए करीब बीस साल मुख्यमंत्री रहे अभी केन्द्रीय मंत्री हैं। मगर हाथ मिलाना तो दूर मोदी जी कभी खिलखिलाते कर भी नहीं मिलते। दूसरे केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जो जब कांग्रेस में थे तो राहुल की प्लेट से उठाकर खाते थे। सोनिया गांधी और प्रियंका के साथ परिवार की तरह अधिकार से बैठते थे। आज मोदी जी छोड़िए अमित शाह के सामने भी सिर उठाकर खड़े नहीं हो पाते।

कांग्रेस में बहुत खराबियां होंगी मगर उसका नेतृत्व सबको समान सम्मान देता है। अभी मनीष का जिक्र कर रहे थे। मनीष के पिताजी को इन्दिरा गांधी ने राज्यसभा दी थी। राजनीति में नहीं थे शिक्षा के क्षेत्र में थे। और राजीव गांधी ने 1989 के लोकसभा चुनाव में युवा मनीष को दूसरे राज्य उत्तरप्रदेश से टिकट दे दी थी। कानपुर देहात से। गुलाम नबी आजाद का तो शायद पहले भी बताया है इन्दिरा गांधी ने 1980 में उन्हें सीधे महाराष्ट्र से लड़वाकर जीता दिया था। 1989 में राजीव गांधी कमजोर हो गए थे तो स्थानीय कांग्रेसियों ने कानपुर देहात से बाहरी उम्मीदवार कहकर मनीष को फार्म ही नहीं भरने दिया गया था।

राहुल गांधी को यह बात भी समझना चाहिए ये कांग्रेसी अगर परिवार भी कमजोर हो जाता है तो उसे भी नहीं बख्शता! खुद को मजबूत रखना और दिखाना बहुत जरूरी है। इन्दिरा जी भी जब 1977 का चुनाव हार गई थीं तो जगजीवन राम, हेमवतीनंदन बहुगुणा जैसे नेता उनका साथ छोड़ गए थे। सोनिया गांधी के खिलाफ राजीव के खास रहे जीतेन्द्र प्रसाद कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव लड़ गए थे।

कांग्रेस की यह बहुत बड़ी सच्चाई है कि इसके नेता किसी के सगे नहीं होते हैं। इन्हें सिर्फ सत्ता दिखती है। निजी लाभ। इसके लिए वे किसी से भी धोखा कर सकते हैं। यह राजा रजवाड़ों वाला खेल है कि कमजोर हुए कि दरबारियों ने की बगावत। 11 साल हो गए सत्ता से बाहर हुए, बहुत बैचेनी है। हालांकि यह समय मोदी के लिए अनुकूल नहीं चल रहा है। लेकिन वे लगातार कोशिशें कर रहे हैं। 2011 के बाद जिस तरह कांग्रेस ने हाथ पांव डाल दिए थे वैसे मोदी ने नहीं डाले। मंगलवार की शाम का डिनर इसीलिए था। मोदी जी की छवि चमकाने के लिए। कांग्रेस के नेता भी कैसे उनके सामने नतमश्तक हैं यह बताने के लिए।

पहलगाम के आतंकवादी हमले के बाद मोदी जी के लिए लगातार मुसीबतें बढ़ती चली गईं। उनका सबसे बड़ा दावा मैं बहुत मजबूत हूं, और 56 इंच की छाती, लाल आंखे अब मजाक का विषय बन गईं है। उसके बाद पाकिश्तान के आतंकवादी ठिकानों पर सेना का हमला जब उन्हें वापस दिलासा देने जा रहा था तो अचानक एक उनके प्रिय मीडिया के झूठ दावों ने और फिर उनके माई डियर फ्रेंड ट्रंप के सीजफायर के श्रेय लेने के बयानों से वापस उनका ग्राफ गिरना शुरू हो गया।

अभी भी स्थिति यही है। बस फर्क यह है कि मोदी की कोशिशों में कमी नहीं है। वे लगातार अपना पुराना समर्थन पाने के लिए प्रयासरत हैं। अब यह कांग्रेस को सोचना है। राहुल गांधी को और उनकी टीम को कि ऐसे में वे अपनी मजबूत छवि कैसे स्थापित कर सकते हैं। हर समय काल का एक केन्द्रीय मूल्य (पैमाना) होता है। इस समय है मजबूत नेता। मोदी की सारी पहचान ही यही है। इसी में डेन्ट लगा है। राहुल में बहुत मानवीय गुण हैं। मगर यहां मुकाबला मजबूती का है। मजबूत नेतृत्व दिखाने का। इन्दिरा गांधी की याद लोगों को क्यों आई? इसीलिए। 1971 के युद्ध के मजबूत नेतृत्व की वजह से। देश के लोगों का सिर ऊंचा हुआ था। राहुल को पार्टी के अंदर यह मजबूत नेतृत्व दिखाना होगा। वही संदेश जाएगा।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.ncrtoday.in **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI**-UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

'मॉडल चाय वाली' से पुलिस की मारपीट का मामला, दो पुलिसकर्मी लाइन हाजिर, जांच जारी

लखनऊ, एजेंसी। इंजीनियरिंग कॉलेज चौराहे पर सोमवार की देर रात 'मॉडल चाय वाली' नाम से चाय की दुकान चलाने वाली सिमरन से मारपीट की जांच तेज हो गई है।

अलीगंज एसीपी धर्मेंद्र रघुवंशी घटनाक्रम की जांच कर रहे हैं। मंगलवार की शाम इस मामले में मारपीट के आरोपित राम राम बैंक चौकी के इंचार्ज आलोक चौधरी और आरक्षी अभिषेक यादव को लाइन हाजिर किया जा चुका है।

घटना से जुड़ी वीडियो वायरल हुई थी। इसमें कुछ पुलिसकर्मी सिमरन से हाथापाई करते नजर आ रहे थे। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस की काफी किरकिरी हुई। इसके बाद डीसीपी उत्तरी गोपाल कृष्ण चौधरी ने दो पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर कर मामले की जांच एसीपी अलीगंज को सौंपी है।

एसीपी की जांच में सीसी फुटेज को शामिल किया गया है। साथ ही अब सिमरन को भी बयान दर्ज कराने के लिए बुलाया जाएगा। इस मामले में आरोपित पुलिसकर्मियों से भी पूछताछ होगी।

साथ ही पुलिस घटनास्थल पर लगे अन्य कैमरों की फुटेज भी एकत्रित करेगी। मौके पर मौजूद कुछ अन्य लोगों से भी घटना को लेकर जानकारी जुटाई जाएगी। इसी के आधार पर जांच कर पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई तय होगी।

यूपी में दो बेटियों के सामने मां की हत्या, सीढ़ी लगाकर घर में घुसे हत्यारे पहले मारा चाकू

मुरादाबाद, एजेंसी। कुंदरकी में राजकीय कन्या इंटर कॉलेज के पास एक महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हत्यारोपी सीढ़ी लगाकर घर में घुसे थे। घटना की सूचना मिलने पर एसएसपी सतपाल अंतिल ने मौके का निरीक्षण करके जानकारी की। शक के आधार पर तीन लोगों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

करीब 30 वर्षीय अंजुम नगर पंचायत कुंदरकी के मोहल्ला नरूला स्थित राजकीय कन्या इंटर कॉलेज के पास अपनी दो मासूम बेटियों के साथ रहती थी। पुलिस के मुताबिक गुरुवार को फजर की नमाज के वक्त सुबह करीब 4:30 बजे कुछ लोग सीढ़ी लगाकर अंजुम के घर में घुस गए।

उन्होंने पहले अंजुम पर चाकू से हमला किया, इसके बाद माथे पर सटाकर गोली मार दी। गोली लगते ही अंजुम ने तड़प-तड़प कर दम तोड़ दिया। बेटियों के शोर मचाने पर आसपास के लोग जाग गए।

खबर मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। बाद में सीओ, एसपी देहात और फिर एसएसपी ने भी मौके का मुआयना किया। पुलिस घटना की छानबीन में जुटी हुई है।

बताया जा रहा है कि अंजुम ने हफीज नाम के युवक से दूसरी शादी की थी। इससे पहले उसकी शादी शादाब के साथ हुई थी। दोनों पतियों से उसका विवाद चल रहा था। पुलिस ने शक के आधार पर तीन लोगों को हिरासत में ले लिया है।

धारदार हथियार से गला काट कर युवक की हत्या से सनसनी, कब्रिस्तान में फेंका मिला शव

सुकरौली बाजार, एजेंसी। जहां प्रेम प्रसंग में मेघालय में इंदौर के राजा की हत्या का मामला सबकी जुबां पर है और सोनम केंद्र बिंदु में है, वहीं कुशीनगर के अहिरौली बाजार थाना के पिपरही में भी प्रेम प्रसंग में युवक की हत्या का मामला सामने आया है।

बुधवार की रात 35 वर्षीय युवक की धारदार हथियार से गला काट कर नृशंस हत्या कर दी गयी। हत्यारों ने हत्या के बाद शव को गांव के बाहर कब्रिस्तान में फेंक दिया। खून के निशान के आधार पर स्वजन व ग्रामीण शव तक पहुंचे। पुलिस ने विधिक कार्रवाई पूरी की। अहिरौली बाजार थाना क्षेत्र के पिपरही निवासी सत्तार का गांव की ही एक महिला से प्रेम प्रसंग चल रहा था।

20 लाख के कर्ज से परेशान विश्वविद्यालय के प्रधान सहायक ने की आत्महत्या

सूदखोरों ने कैंपस में घुसकर की थी मारपीट

कानपुर, एजेंसी। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) के अकाउंट विभाग विभाग में कार्यरत प्रधान सहायक ने 20 लाख के कर्ज से परेशान होकर आत्महत्या कर ली।

स्वजन का आरोप है कि रुपये वसूलने के लिये सूदखोर उन्हें प्रताड़ित कर रहे थे। 15 दिन पहले ही आरोपितों ने विश्वविद्यालय परिसर में घुसकर उनके साथ मारपीट की थी। पिता का शव फंदे पर लटकता देखकर बेटे ने पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद कल्याणपुर पुलिस और फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए। प्रधान सहायक मूलरूप से गोरखपुर जनपद के रहने वाले थे। गुरुवार को उनका पोस्टमार्टम कराया जायेगा।

मूलरूप से गोरखपुर जनपद के पीपीगंज गुरापार निवासी 52 वर्षीय राकेश कुमार गौड़ सीएसजेएमयू में प्रधान सहायक के पद पर कार्यरत थे। परिवार में पत्नी पुष्पा हैं जो पिछले सप्ताह ही पारिवारिक समारोह में शामिल होने गोरखपुर गई थी।

पुष्पा उनकी दूसरी पत्नी हैं उनकी पहली पत्नी सरिता थी जिनका आठ साल पहले बीमारी से निधन हो गया था। उनसे बेटा अमन और एक बेटी है जिसकी शादी हो चुकी है।

कमीशन पर कार खरीदने और बेचने का काम करने वाले बेटे अमन ने बताया कि उनके पिता शराब के लती थे उन पर करीब 20 लाख रुपये का कर्ज था, जिसकी वजह से उन्होंने 100 वर्गगज का आधा प्लाट बेच दिया था।

उन्होंने पिता के लोन को चुकाने के लिये स्टेट बैंक और बैंक ऑफ महाराष्ट्रा से 12 व सात लाख रुपये के दो पर्सनल लोन भी कराए थे। बेटे का आरोप है कि विनायकपुर के कुछ युवकों और सूदखोर अभिषेक कटियार नाम के युवक ने अपने कुछ साथियों के साथ 15 दिन पहले कैंपस में घुसकर उसके पिता के साथ मारपीट भी की थी।

मंगलवार रात पिता खाना पीना खाकर सोए थे। सुबह 10 बजे तक उनके न उठने पर जब उसने पड़ोसी के साथ दरवाजा खोला तो अंदर पंखे के कुंडे से उनका शव फंदे पर लटकता मिला। इस पर उसने पुलिस के साथ ही उनकी दूसरी पत्नी पुष्पा गौड़ को सूचना दी।

विश्वविद्यालय परिसर में आत्महत्या की सूचना पर एसीपी कल्याणपुर रंजीत कुमार और थाना प्रभारी सुधीर कुमार ने फोरेंसिक टीम के साथ जांच पड़ताल की। एसीपी कल्याणपुर रंजीत कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और स्वजन की तहरीर के आधार पर सभी बिंदुओं पर जांच पड़ताल के बाद कार्रवाई की जायेगी।

थाने से छूटकर घर पहुंचा और पत्नी से झगड़कर दी जान: चकेरी के चिश्ती अन्ना चौराहा निवासी 42 वर्षीय अतुल कुमार पेशे से बिजली मिस्त्री था। परिवार में पत्नी दया, दो बच्चे अनिकेत व सिम्मी हैं। पहली पत्नी पुष्पा से तलाक के बाद अतुल ने दया से प्रेम विवाह किया था।

दया के अनुसार, मंगलवार रात नशे की हालत में पति ने उससे मारपीट की तो चकेरी पुलिस से शिकायत की। इस पर पुलिस उसे पकड़ ले गई और हवालात में डाल दिया। उसका नशा उतरा तो कार्रवाई नहीं की और सुबह ले आए। लौटने के बाद उसने पत्नी दया और बच्चों को मारापीटा और दरवाजा बंद कर आत्महत्या कर ली।

मां के दुपट्टे से युवक ने फंदा लगाकर दे दी जान: सचेंडी के पंचमापुरवा निवासी 19 वर्षीय प्रकाश चकरपुर मंडी में मजदूरी करता था। पिता भूरा की चार साल पहले मौत हो चुकी है। परिवार में मां गीता व छोटा भाई मुकेश है।

ताऊ सोहन सिंह ने बताया कि प्रकाश मंगलवार रात करीब नौ बजे चकरपुर मंडी जाने की बात कहकर घर से निकला था। बुधवार सुबह प्रकाश का शव घर से कुछ दूरी पर आम के बाग में मां के दुपट्टे से उसका शव फंदे पर लटकता मिला। बुधवार सुबह आम बटोरने बाग पहुंचे लोगों ने उसका शव लटका देखकर स्वजन को सूचना दी।

नशे के लती युवक ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

पनकी के शाहपुर निवासी 42 वर्षीय प्राइवेटकर्मी आनंद कुमार राजपूत ने बुधवार तड़के आत्महत्या कर ली। परिवार में मां रामदुलारी, पत्नी रीना, दो बच्चे पलक व अंश हैं। पिता रामस्वरूप व चचेरे भाई देवी प्रसाद ने बताया आनंद शराब का लती था। मंगलवार रात में भी वह नशे की हालत में घर आया और खाना खाकर कमरे मे सोया गया। बुधवार सुबह उसका शव फंदे पर लटकता मिला।

अवसाद के चलते महिला ने की आत्महत्या

फीलखाना थानाक्षेत्र के बिरहाना रोड में 38 वर्षीय मोरकी देवी ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मूलरूप से राजस्थान के पाली निवासी चतरा राम ज्वैलरी शाप में कारीगर हैं और परिवार सहित किराए पर रहते हैं। परिवार में चार बच्चे हैं। चतरा राम ने बताया कि पत्नी मोरकी अवसाद में चल रही थी चिड़चिड़ेपन व तनाव के चलते उसने यह कदम उठाया है। बच्चे और वह कमरे में सोए थे, इसी बीच मंगलवार देर रात उठकर साड़ी से गले में फंदा कसकर आत्महत्या कर ली।

नीम के पेड़ से लगाई फांसी

बिधनू के औछी मोहाल पूर्वी घाटमपुर निवासी शिवभोला का 21 वर्षीय बेटे अंकित का शव बुधवार सुबह शंभुआ के पास नीम के पेड़ से फंदे पर लटकता मिला। परिवार में मां शांती, बहन सोनी है। स्वजन ने बताया कि अंकित ई-रिक्शा चलाता था। सोमवार को वह घर पर ई-रिक्शा खड़ा करके निकला था। फिर कई घंटे तक वापस नहीं आया। मंगलवार शाम जब शंभुआ पुल के पास गए तो नीम के पेड़ पर अंकित का शव लटका देखा और घटना की जानकारी परिजनों को दी। स्वजन ने उसके दोस्तों पर हत्या का शक जताया है। हालांकि उन्होंने कोई तहरीर नहीं दी।

सरयू नदी में नहाने गए दो युवकों की डूबने से मौत, सेना में भर्ती की कर रहे थे तैयारी, परिवार में मचा कोहराम

आजमगढ़, एजेंसी। जनपद के रौनापार थाना क्षेत्र के सरयू नदी में नहाने गए दो युवकों की महुला के पास डूबने से मौत हो गई। मृतकों की पहचान महुला गांव निवासी सुधांशु राय और धनौली निवासी अभिषेक राय के रूप में हुई है। दोनों युवक सेना और पुलिस भर्ती की तैयारी कर रहे थे। हादसे से दोनों परिवारों में कोहराम मचा है।

गुरुवार को सुबह महुला गांव के आठ युवक घाघरा नदी में नहाने गए थे। इनमें सुधांशु, अभिषेक, कार्तिक, सब्बी, निखिल, किशन और सिंटू शामिल थे। गांव से लगभग तीन किलोमीटर दूर पश्चिम घाघरा नदी में नहाने के दौरान सुधांशु और अभिषेक गहरे पानी में चले गए। स्थानीय निवासी ज्ञान निषाद ने उन्हें गहरे पानी में जाने से मना किया था, लेकिन दोनों युवक नहीं रुके।

काफी तलाश के बाद सुबह नौ बजे गोताखोरों ने दोनों शव घटनास्थल से 200 मीटर दूर बरामद किया। सुधांशु राय अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र था। स्वजन का रो-रोकर बुरा हाल है।

दूसरी ओर अभिषेक राय भी अपने घर का इकलौता चिराग था। वह अपने ननिहाल महुला में जोगिंदर राय के यहां रहता था। दोनों परिवारों में शोक की लहर है। घटना की सूचना मिलते ही रौनापार थाना अध्यक्ष अनुपम जायसवाल और नायब तहसीलदार सगड़ी मौके पर पहुंचे। शवों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

स्वजन ने बताया कि सुधांशु और अभिषेक सहित सभी आठ युवक एक समूह में रहकर पुलिस और सेना भर्ती की तैयारी करते थे। वे रोज सुबह तीन बजे उठकर गांव के पास रजौली बाग में दौड़ लगाते थे और छह बजे तक घर लौटते थे। यह पहली बार था जब युवक नहाने के लिए घाघरा नदी गए थे।

पहले अभद्रता फिर मांगी माफी, आचार्य विमल सागर की सामान से लदी गाड़ी में स्कूटर ने मारी थी साइड

सरधना/मेरठ, एजेंसी। चौक बाजार में स्थित बड़े जैन मंदिर से मंगलवार शाम को आचार्य विमल सागर महाराज ने कुशावली के लिए विहार किया था। इस दौरान उनके पीछे सामान से लदी पिकअप चल रही थी। जब आचार्य विमल सागर झिटकरी से कुशवाली के बीच पहुंचे। उसी दौरान एक स्कूटर सवार युवक ने पिकअप में साइड मार दी और विवाद खड़ा हो गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। इसी बीच किसी ने आचार्य विमल सागर महाराज पर हमले की अफवाह उड़ा दी। हालांकि, अगले दिन युवक ने आचार्य विमल सागर महाराज से माफी मांग ली।

मंगलवार शाम को चौक बाजार में स्थित बड़े जैन मंदिर से आचार्य विमल सागर महाराज ने कुशावली के लिए विहार किया था। इस दौरान उनके पीछे सामान से लदी हुई पिकअल गाड़ी चल रही थी। जैन समाज से पंकज जैन ने बताया कि जब पिकअप झिटकरी से कुशावली के बीच पहुंच गई। तभी एक स्कूटर सवार युवक ने पिकअप में साइड मार दी। जिस पर युवक और पिकअप चालक के बीच कहासुनी के बाद गाली-गलौज हो गई। वहीं, किसी ने आचार्य विमल सागर महाराज पर हमले की अफवाह फैला दी। उधर, सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। बुधवार को आचार्य विमल सागर महाराज विहार कर सलावा में पहुंचे। वहीं, भारी संख्या में ग्रामीण आरोपित को लेकर आचार्य विमल सागर के पास पहुंच गए और मांफी मांगी। जिस पर उन्होंने माफ कर दिया।

मंगलवार देर शाम विवाद के बाद पुलिस सतर्क हो गई। जब आचार्य विमल सागर महाराज ने कुशावली से सलावा की ओर विहार किया। उस दौरान उनके साथ भारी संख्या में पुलिस बल था।

संत रविदास के विचार मानव जीवन के लिए प्रेरणा, बाबा साहब को भाजपा शासन में मिला सम्मान

मुजफ्फरनगर, एजेंसी। शुकतीर्थ में सतगुरु समानदास आश्रम में आयोजित संत समागम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सतगुरु रविदास ने सामाजिक आडंबर कृतियां के प्रति लोगों को जागृत किया और आध्यात्मिक चेतना का जागरण किया।

उन्होंने कहा था कि मन चंगा तो कठौती में गंगा, यह मूल मंत्र मानव जीवन में पवित्रता, निर्मलता का प्रतीक है और प्रेरणा स्रोत है। संत रविदास के गुरु रामानंद ने भी कहा था कि जाति न पूछे कोई हरि को बजे सो हरि का होई। संत रविदास ने जो कहा था कि बिना भेदभाव सभी को अन्न मिले, सुख मिले इसी विचार पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के सभी वर्गों के लिए कार्य कर रहे हैं और कोरोना काल के बाद 21 करोड लोगों को अन्न दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की आजादी से अब तक की जितनी भी सरकारें हुई उन्होंने बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर को सम्मान नहीं दिया, जबकि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पंच तीर्थ का निर्माण कराया गया है। उन्होंने कहा कि अच्छी सरकार में सब अच्छा ही होता है अब करना और कांधला के पलायन जैसी घटनाएं नहीं होती सरकार ने सुरक्षा प्रदान की है यह सब जनता के स्नेह से मिली आत्म

शक्ति का प्रमाण है। इसके साथ ही उन्होंने भागवत भूमि का भी खूब गुणगान किया और कहा कि देश दुनिया में ऐसा कोई स्थान नहीं जहां लोग अपने इतिहास की इतनी प्राचीनता को महसूस कर सकें क्योंकि शुकतीर्थ का इतिहास 5000 वर्ष पुराना है।

इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सतगुरु समनदास महाराज की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की और आश्रम में पहुंचकर समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित करने के अलावा आश्रम के मुख्य द्वार के सुंदरीकरण का भी लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि निकट भविष्य में सतगुरु सामान दास महाराज स्वामी ज्ञान भिक्षुक महाराज और अन्य पूज्य संतों के नाम पर घाट का निर्माण कराया जाएगा इसके अलावा रास्तों के चौड़ीकरण और पार्क के अलावा आश्रम में सत्संग भवन का भी निर्माण कराया जाएगा।

बहराइच में गाजी दरगाह परिसर का एएसआई सर्वे कराने की मांग, भाजपा सांसद ने कहा- सूर्य कुंड के पुनरुद्धार करे सरकार

बहराइच, एजेंसी। बहराइच सांसद डा. आनंद कुमार गोंड ने दरगाह में स्थित सूर्य कुंड के एएसआई (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण) सर्वे के लिए आवाज उठाई है। साथ ही उसके पुनरुद्धार के लिए सरकार से मांग की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आंक्रांताओं के महिमा मंडन न करने की बात मंगलवार को चित्तौरा में आयोजित कार्यक्रम में कही थी। साथ ही दरगाह में स्थित गाजी के मेले की जगह महाराजा सुहेलदेव के विजयोत्सव व मेले पर बल दिया है। अब बहराइच सांसद ने दरगाह में एएसआई सर्वे के लिए आवाज उठाई है। उनका कहना है कि दरगाह परिसर में स्थित सूर्य कुंड में लोग स्नान करते हैं और चर्म रोग ठीक होते हैं। उसकी स्थिति काफी खराब है। इसका पुनरुद्धार होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता की अपेक्षाओं को आगे करना है। सांसद ने कहा कि सूर्य कुंड जाने से पहले महाराजा सुहेलदेव ने जमीन को आक्रांताओं से बचाया था। ऋषि बालार्क भगवान सूर्य के उपासक थे। ऐसे में वहां पर ऋषि बालार्क मंदिर बनना चाहिए। सूर्य कुंड को भव्य स्वरूप देकर वहां पर ऋषि बालार्क की प्रतिमा स्थापित की जाए।

रात में लड़की को भगाकर ले जा रहा था, गांव वालों ने पकड़कर पीटा तो बोला- मदरसे के मौलवी ने सिखाया हिंदू लड़कियां बेचना

अमरोहा, एजेंसी। मुस्लिम संप्रदाय के एक युवक ने पहले नाबालिग को अपने प्रेमजाल में फंसाया। फिर उससे उसके घर वालों को नशे की गोलियां खिलवाई और बाद में नाबालिग को बेचने के इरादे से रात में लेकर जाने लगे। गांव के लोगों ने उसे देखकर पकड़ लिया और धुनाई कर पुलिस को सौंप दिया। बछरायूं थाने में आरोपित के खिलाफ मामला भी दर्ज हो गया है। गजरौला थाने के गांव खादगुजर निवासी आरोपित निजामुद्दीन का गुरुवार की सुबह में एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। जिसमें उसे गांव लखमिया के ग्रामीणों ने पकड़ रखा है और पूछताछ में वह बता रहा है कि वह खादगुजर गांव का रहने वाला हैं।

बुधवार की रात करीब दो बजे एक नाबालिग को भागकर उसे बेचने जा रहा था। आरोपित से जब ऐसी घटना करना कहां से सीखा जैसे सवाल किए तो उसने बताया कि मदरसे के मौलवी कहते हैं हिंदू लड़कियों के साथ पहले गलत काम करो, फिर उन्हें बेच दो।

इसके बाद ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना देकर बुलाया और आरोपित को सौंप दिया। इस दौरान गांव में काफी देर तक हंगामे का माहौल बना रहा।

फुर्सत से पढ़ने के लिए हैं फुर्सत के झोंके

पुस्तक समीक्षा/फुर्सत के झोंके/ कवयित्री अनिदीपम/प्रकाशक वनिका पब्लिकेशन्स बिजनौर

समीक्षक अशोक मधुप

बिजनौर की अनिदीपक (श्रीमती) लंबे समय से कविताएं लिख रही हैं किंतु उनकी कविताओं का संग्रह फुर्सत के झोंके हाल ही में बाजार में आया।यह संकलन कवयित्री की रचनाओं की गंभीरता बताता है।

कवयित्री का नया नाम होने के कारण शुरूआत में भले ही नया सा लगे किंतु पुश्तक पढ़नी शुरू करने के बाद उसे समाप्त करके ही रूका जाता है। कविताओं में दर्शन के साथ साथ कवयित्री का गंभीर चिंतन भी पता चलता है।

21 जनवरी 1971 को जनपद के एतिहासिक महत्व के नांगल सोती में जन्मी अनीदीपम एम.ए हैं ।क्रेटिव राइटिंग में उन्होंने डिप्लोमा किया ।पुश्तक की भूमिका में वह कहती हैं कि पांच भाई बहिनों में वह सबसे छोटी है।सबसे बड़े भाई बाहर पढ़ते थे।वे बचपन से ही मेरे पढ़ने के लिए चंपक, लोटपोट आदि बाल पत्रिकाएं लाते थे।

इससे स्कूली शिक्षा के साथ साथ साहित्य में भी रूचि होने लगी। 16 कमरों वाले बड़े घर में बड़ी बड़ी दो अलमारियों में मुंशी प्रेमचंद,जयशंकर प्रसाद, रविन्द्र नाथ टैगौर के उपन्यास, महात्मा गांधी की आत्मकथा और चंद्रकांता आदि बहुमूल्य पुश्तकें सुंदर नगीनों की तरह रखी रहतीं।समय समय पर आंगन में चटाई बिछाकर पुश्तकों को धूप लगाई जाती तो पढ़ा भी जाता।

छोटे भाई की लग्न और प्रोत्साहन से हाई स्कूल में मेरे प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होने के बाद हमारे घर में टेलीविजन आया।रामायण, विक्रम बेताल , चंद्रकांता आदि हिंदी के सीरियल हम देखतेसुनते। दीदी के साथ मैंने शुद्ध हिंदी में बातचीत करनी शुरू की।छोटो छोटे विचार कविताओं का रूप लेने लगे।लेखन चलता रहा।इसी बीच शादी हो गई। परिवार में दो बच्चे हुए।बच्चों के बड़े होने पर युवावस्था का शौक फिर शुरू हो गया।

अनिदीपम की रचनांए नजीबाबाद के आकाशवाणी केंद्र से निरंतर लम्बे समय से प्रसारित होती और विभिन्न पत्र पत्रिकाओं में छपती रही हैं।ग्रहणी होकर भी वह लगातार लिख रही हैं। इनकी पहली पुश्तक फुर्सत है छपी। फुर्सत के झोंके इनकी दूसरी पुश्तक है।इनकी कविताओं में दर्शन के साथ समाज को अलग से समझने की सोच है।

शुभ दीपावली शीर्षक की कविता में अनीदीपम कहती हैंस्याह ओढ़नी पर /टँके सिलवरी सितारे... दीप मालाओं से सजा/ सुनहरी गोटा /सौंदर्य बोध कराता है,/ अमावस्या का।

गोरी चिट्टी पूर्णिमा /ईर्ष्यावश खिसियाकर /लुप्त हो जाती है /जब-/झिलमिलाती अद्भुत त्योहारों से लदी/ मावस/ बाँटती फिरती है-/रंग-बिरंगी खुशियाँ... मीठी उमंगें.../सकारात्मकता के दिये/सुगंधित आशाओं की धूप/खिलखिलाहट भरे सुंदर सपने.../अपने सखा कार्तिक के संग।

दिवाली निर्धनों की में कवयित्री कहती हैं कि चाँद का भी /अपहरण होता है/ अमावस्या के हाथों । फिरौती में/ माँगे जाते हैं.. /रोशनी के साधन लाखों । राशन में मिला/ महीने भर का घासलेट,दिया सलाई ,मोमबाती, झरोखों से आती/ टिमटिमाहट/ महलों की/ प्रतिवर्ष/ निर्धनता/दिवाली के दियों में/ कलेजा जलाती।

हर माह नामक कविता में वह कहती हैं कि अमावस्या भी,/ करती है श्रृंगार /पूर्णिमा के दिन../.चाँद की बड़ी-सी बिंदी /लगाती है- साँवले चेहरे पर /जरा-सी हँसी पर/ चमक जाते हैं /बत्तीसों तारे।निकल पड़ती है-/जुगनुओं को साथ लेकर/ संघर्षरत, /हताश पीड़ितों के बीच/ हौसला बढ़ाने हर माह ! निगरानी नामक कविता कहती हैं अटारी की पहरेदारी करते /दरवाज़े हैं बंद/ छत बेचारी ऊँघ-ऊँघ /रोशनदानों से झाँका करती। तपती धूप, ज्येष्ठ दोपहरी/ पेड़ों की छाया भाँय-भाँय /खूँखार हो उठती।'समय का कुछ पता नहीं' यही सोच खूँसर बुढ़िया /लाठी टेक-टेक/ आमों के पेड़ों की निगरानी करती /झोपड़-पट्टी के निर्धन बच्चे /ललचाई लार लिए /कभी लदे पेड़... कभी खाली पेट... और कभी तंबू में/ बाट जोहती माँ /चंद सिक्कों को तरसती !

विश्वासघात में वह कहती हैं कि प्यार के टुकड़े, विश्वास की फाँक /जब कर दी उसने /खूब रोया कोमल मन/ खत्म हो चुकी थी जिजीविषा। शिथिल देह, छटपटाती आत्मा को, कोई न दे सका ढाड़स। दिन से रात/ रात से दिन/ वार से महीने /न जाने कब गुजर गए /वर्ष शातिर चोरों की तरह !

समुद्र खुश है में कवयित्री कहती हैंदेखा है मैंने... राह के चिराग को/ अँधेरा करते।देखा है मैंने...पूर्णिमा की रात को /अमावस्या करते। देखा है...सूरज की पहली किरण को /कोख फूँकते। देखा है...अनाथ बनते चाँद को। समुद्र खुश है/ बाँटता है जल /माँ के आँसुओं को/ निःशुल्क ! कविताओं और पुश्तक को सुंदर रूप देने में प्रकाशक ने भी बड़ी मेहनत की है।पुश्तक के साथ साथ पुश्तक कविता को भी शानदार क्लेवर दिया है।

डब्ल्यूटीसी 2023-25 आईसीसी ने प्राइज मनी बढ़ाई, विजेता-उपविजेता पर होगी पैसों की बरसात

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेला जा रहा है। आईसीसी ने इस साल विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के लिए प्राइज मनी में बढ़ोतरी की थी। इस साल विजेता टीम तो मालामाल होगी ही, साथ ही उपविजेता टीम को भी साल 2023 में विजेता टीम को मिली राशि से ज्यादा रुपये मिलेंगे।

हालांकि, इस चक्र में तीसरे स्थान पर रहने वाली भारतीय टीम पर भी पैसों की बरसात होगी। उन्हें भी जितनी राशि मिलेगी, वह 2023 में डब्ल्यूटीसी फाइनल जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम की राशि के करीब है। वहीं, इस चक्र में सबसे फिसड्डी रही पाकिस्तान की टीम को सबसे कम राशि मिलेगी। डब्ल्यूटीसी में नौ टीमें हिस्सा लेती हैं और अंक प्रतिशत के आधार पर शीर्ष दो पर रहने वाली टीम फाइनल खेलती है।

विजेता-उप-विजेता को कितनी राशि?

आईसीसी ने विजेता टीम के लिए जो राशि तय की है, वह पिछले संस्करण से दोगुनी है। इस बार विजेता टीम को बंपर पैसे मिलेंगे और आईपीएल विजेता से भी ज्यादा मिलेंगे। इस साल विजेता टीम को 3.6 मिलियन यूएस डॉलर यानी 30.79 करोड़ रुपये मिलेंगे। वहीं, ऑस्ट्रेलिया ने जब 2023 में फाइनल जीता था तो उन्हें 1.6 मिलियन डॉलर यानी 13.69 करोड़ रुपये मिले थे। फाइनल में हारने वाली टीम यानी उप विजेता को 2.1 मिलियन अमेरिकी डॉलर (17.96 करोड़ रुपये) मिलेंगे, जो कि पिछले दो बार की विजेता राशि से भी ज्यादा है। वहीं, पिछले दो संस्करणों के उपविजेता को 800,000 अमेरिकी डॉलर यानी 6.84 करोड़ रुपये मिले थे।

भारतीय टीम को इतने रुपये मिलेंगे

वहीं, विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 चक्र में अंक तालिका में तीसरे स्थान पर टीम इंडिया रही थी। उन्हें इनाम के तौर 1.4 मिलियन डॉलर यानी 12.31 करोड़ रुपये मिलेंगे। चौथे स्थान पर न्यूजीलैंड की टीम रही और उन्हें 1.2 मिलियन डॉलर यानी 10.26 करोड़ रुपये मिलेंगे। पांचवें स्थान पर इंग्लैंड की टीम रही और उन्हें 0.96 मिलियन डॉलर यानी 8.20 करोड़ रुपये मिलेंगे। छठे स्थान पर श्रीलंका की टीम रही और उन्हें 0.84 मिलियन डॉलर यानी 7.18 करोड़ रुपये मिलेंगे।

पाकिस्तान को मिलेंगे इतने रुपये

सातवें स्थान पर रहने वाली बांग्लादेश की टीम को 0.72 मिलियन डॉलर यानी 6.15 करोड़ रुपये, आठवें स्थान पर रहने वाली वेस्टइंडीज टीम को 0.6 मिलियन डॉलर यानी 5.13 करोड़ रुपये और सबसे आखिरी यानी नौवें स्थान पर रहने वाली पाकिस्तान की टीम को 0.48 मिलियन डॉलर यानी 4.10 करोड़ रुपये मिलेंगे। भारत को पाकिस्तान को मिलने वाली राशि से तीन गुना ज्यादा रुपये मिलेंगे।

राशि बढ़ाने के पीछे आईसीसी का मकसद

आईसीसी के प्राइज मनी को बढ़ाने के पीछे का मकसद टेस्ट क्रिकेट को और रोमांचक बनाना है ताकि टीमें तालिका में ऊपर आने के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा करें और बेहतर इनाम जीतने की कोशिश करें। इससे टीमें अंत अंत तक खुद को ऊपर लाने की कोशिश करेंगी। इस 2023-25 डब्ल्यूटीसी चक्र में दक्षिण अफ्रीका की टीम 69.44 अंक प्रतिशत के साथ शीर्ष पर रही थी, जबकि ऑस्ट्रेलियाई टीम 67.54 अंक प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर रही। भारत का अंक प्रतिशत इस चक्र में 50.00 रहा। भारतीय टीम अब अपने 2025-27 चक्र की शुरुआत इंग्लैंड के खिलाफ 20 जून से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से करेगी।

सोफी शाइन ने शिखर धवन से पहली मुलाकात का किया खुलासा, कहा कैसे शुरू हुई हमारी लव स्टोरी!

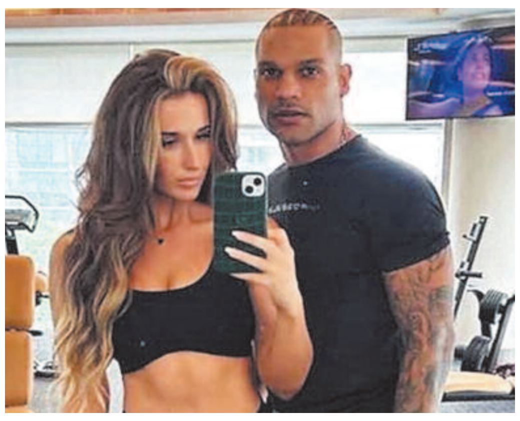

मुंबई (एजेंसी)। आयशा मुखर्जी से 11 साल बाद तलाक बाद पूर्व भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन सोफी शाइन के साथ रिलेशनशिप में हैं। आयरलैंड में जन्मी सोफी कॉर्पोरेट घराने से है। धवन और सोफी की लव स्टोरी चुपचाप शुरू हुई, लेकिन इस जोड़े को विभिन्न जगहों पर साथ देखे जाने के बाद लोगों के बीच यह जोड़ी चर्चा में है। अब सोफी शाइन ने खुलासा किया कि वह शिखर धवन से कैसे मिलीं और दोनों कैसे रिलेशनशिप में आए। सोफी ने पहली बार सार्वजनिक मंच पर बताया कि शिखर से पहली मुलाकात के दौरान किस बात ने उन्हें क्रिकेटर की तरफ आकर्षित किया। एक प्रमोशनल वीडियो में सोफी ने कहा कि धवन की शरारती आंखें और सुंदर चेहरे ने शुरू में उनका ध्यान खींचा था। उन्होंने कहा कि वह दुबई के एक रेस्तरां में उनकी पहली मुलाकात के दौरान वह तुरंत उनकी ओर आकर्षित हो गई थीं।

सोफी ने कहा, निश्चित रूप से, उनका सुंदर चेहरा। उनकी आंखें बहुत शरारती थीं। उनके बगल में बैठे धवन ने उस पल की अपनी याद को जोड़ते हुए कहा, हम दुबई के एक रेस्तरां में मिले और यह एक शानदार एहसास था। सोफी ने कैमोफ्लाज ट्राउजर पतलून और जैकेट पहनी हुई थी। वह बहुत सुंदर लग रही थी। दुबई में हुई शुरुआती मुलाकात जल्द ही नियमित बातचीत और मिलने में बदल गई जो एक स्थिर रिश्ते में परिपक्व हो गई। शुरुआत में दोनों रिलेशनशिप को लेकर चुप रहे लेकिन एयरपोर्ट और हाई-प्रोफाइल क्रिकेट इवेंट में एक साथ दिखाई देने से धीरे-धीरे यह स्पष्ट हो गया कि वे सिर्फ परिचित नहीं थे। सबसे चर्चित पलों में से एक वह था जब धवन आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए ब्रांड एंबेसडर के रूप में दुबई में थे। सोफी के साथ क्रिकेटर की तस्वीरें तेजी से वायरल हुई जिसने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया। उसके बाद सोफी भारत चली गई और धवन के साथ रहने लगीं। आयरलैंड में जन्मी और पली-बढ़ी, उन्होंने प्रतिष्ठित लिमरिक इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से मार्केटिंग और मैनेजमेंट में डिग्री हासिल करने से पहले कैसलरॉय कॉलेज में अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की। वर्तमान में वह अबू धाबी में नॉर्दर्न ट्रस्ट कॉर्पोरेशन में द्वितीय उपाध्यक्ष के उच्च पद पर हैं, जहां वह प्रोडक्ट कंसलटेंट के रूप में काम करती हैं।

इंग्लैंड में 18वीं फिफ्टी लगाई, वेरियन ने एक हाथ से डाइविंग कैच लिया

स्टीव स्मिथ लॉर्ड्स स्टेडियम में टॉप विदेशी स्कोरर

लंदन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच लंदन के लॉर्ड्स स्टेडियम में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का फाइनल खेला जा रहा है। बुधवार को मुकाबले के पहले दिन ऑस्ट्रेलिया 212 रन बनाकर सिमट गई। साउथ अफ्रीका ने अपनी पहली पारी में 4 विकेट खोकर 43 रन बना लिए।

ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ ने 66 रन बनाए, इसी के साथ वे इंग्लैंड में सबसे ज्यादा 50 प्लस स्कोर बनाने वाले विदेशी बैटर बने। वे लॉर्ड्स स्टेडियम में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले विदेशी भी बने। वहीं ऑस्ट्रेलिया ने अपने आखिरी 5 विकेट महज 22 रन बनाने में गंवा दिए।

इंग्लैंड में हाईएस्ट 50+ स्कोर वाले विदेशी बने स्मिथ

ऑस्ट्रेलिया के नंबर-4 बैटर स्टीव स्मिथ 66 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने इंग्लैंड में 10वीं फिफ्टी लगाई, वे यहां 8 सेंचुरी भी लगा चुके हैं। डब्ल्यूटीसी फाइनल में फिफ्टी लगाकर स्मिथ इंग्लैंड में सबसे ज्यादा 18 फिफ्टी प्लस स्कोर बनाने वाले विदेशी बैटर बन गए। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के ही एलन बॉर्डर और वेस्टइंडीज के विवियन रिचर्ड्स का रिकॉर्ड तोड़ा। दोनों के नाम इंग्लैंड में 17-17 फिफ्टी प्लस स्कोर का रिकॉर्ड रहा।

लॉर्ड्स में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले विदेशी बने स्मिथ

ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ लंदन के लॉर्ड्स स्टेडियम में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले विदेशी बैटर भी बन गए। उनके अब 6 मैच की 10 पारियों में 591 रन हो गए। इनमें उन्होंने 2 शतक और 3 फिफ्टी लगाई हैं। स्मिथ ने ऑस्ट्रेलिया के ही वारेन बार्डस्ले का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 5 मुकाबलों में 575 रन बनाए।

काइल वेरियन का डाइविंग कैच

साउथ अफ्रीका के विकेटकीपर काइल वेरियन ने एक हाथ से बेहतरीन डाइविंग कैच पकड़ा। 24वें ओवर की दूसरी बॉल मार्को यानसन ने गुड लेंथ पर लेग स्टंप की ओर फेंकी। ट्रैविस हेड फ्लिक करने गए, लेकिन गेंद उनके बैट से लगकर विकेटकीपर की ओर चली गई। यहां वेरियन ने अपने दाईं ओर डाइव लगाई और एक हाथ से बेहतरीन कैच पकड़ लिया। हेड को 11 रन के स्कोर पर पवेलियन लौटना पड़ा।

रिव्यू नहीं लेने के कारण नॉटआउट रहे वेबस्टर

29वें ओवर में ऑस्ट्रेलिया के ब्यू वेबस्टर साउथ अफ्रीका के रिव्यू नहीं लेने के कारण आउट होने से बच गए। ओवर की दूसरी बॉल कगिसो रबाडा ने गुड लेंथ पर इन स्विंगर फेंकी। बॉल वेबस्टर के पैड्स पर लगी, रबाडा ने एलपीडब्ल्यू की अपील की, लेकिन अंपायर ने नॉटआउट का इशारा दिया।

रबाडा ने रिव्यू लेने की सलाह दी, लेकिन कप्तान तेम्बा बावुमा ने मना कर दिया। उन्होंने इशारा किया कि बॉल बैट से लगी है। रिप्ले में पता चला कि अगर छ्त्रऋ लिया जाता तो वेबस्टर को पवेलियन लौटना पड़ता। इस वक्त वेबस्टर महज 8 रन के स्कोर पर थे, उन्होंने 72 रन की पारी खेली।

मार्को यानसन का जगलिंग कैच

42वें ओवर में साउथ अफ्रीका के मार्को यानसन ने फर्स्ट स्लिप में बेहतरीन जगलिंग कैच पकड़ा। ओवर की आखिरी बॉल ऐडन मार्करम ने ऑफ स्टंप के बाहर फुलर लेंथ फेंकी। स्टीव स्मिथ ड्राइव करने गए, लेकिन गेंद बाहरी किनारे से लगकर स्लिप की ओर चली गई। फर्स्ट स्लिप में यानसन ने अपने बाएं हाथ से बॉल पकड़ी, लेकिन गेंद उछलकर दाएं हाथ की ओर चली गई। यानसन ने तीसरी बार कोशिश की और बॉल पकड़ ली। स्मिथ 66 रन बनाकर आउट हुए।

रिवर्स स्वीप खेलने में बोल्ड हुए कैरी

ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर बैटर एलेक्स कैरी रिवर्स स्वीप खेलने की कोशिश में बोल्ड हो गए। 52वें ओवर की पहली बॉल केशव महाराज ने फुलर लेंथ फेंकी, कैरी रिवर्स स्वीप खेलने गए, लेकिन गेंद मिस कर गए और बोल्ड हो गए। कैरी ने 23 रन बनाए।

22 रन बनाने में ऑस्ट्रेलिया ने 5 विकेट गंवाए

ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे सेशन में 5 विकेट गंवा दिए। टीम के सभी विकेट 22 रन बनाने में ही गिर गए। टी सेशन के बाद केशव महाराज ने एलेक्स कैरी को बोल्ड किया। यहां से कगिसो रबाडा ने पैट कमिंस और ब्यू वेबस्टर को पवेलियन भेजा। मार्को यानसन ने नाथन लायन को बोल्ड किया। रबाडा ने फिर मिचेल स्टार्क को बोल्ड कर ऑस्ट्रेलिया की पारी 212 रन पर समेट दी।

डब्ल्यूटीसी फाइनल

साउथ अफ्रीका की आधी टीम 97 रन पर ही पैवेलियन लौटी

लॉर्ड्स (एजेंसी)। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का फाइनल मैच ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच लंदन में खेला जा रहा है। बुधवार लॉर्ड्स स्टेडियम में साउथ अफ्रीका ने बॉलिंग चुनी। गुरुवार को मैच का दूसरा दिन है और पहला सेशन जारी है।

साउथ अफ्रीका ने पहली पारी में 5 विकेट खोकर 97 रन बना लिए हैं। डेविड बेडिंघम (26 रन) और काइल वेरियन (1 रन) पिच पर हैं। कप्तान टेम्बा बावुमा (36 रन) को पैट कमिंस ने मार्नस लाबुशेन के हाथों कैच कराया।

पहले दिन कमिंस ने वियान मुल्डर (6 रन) को बोल्ड किया था। साउथ अफ्रीका ने 43/4 के स्कोर से दूसरे दिन की शुरुआत की। पहले दिन ऑस्ट्रेलिया 212 रन पर ऑलआउट हो गई थी। ब्यू वेबस्टर ने 72 और स्टीव स्मिथ ने 66 रन की पारी खेली। कगिसो रबाडा ने 5 और मार्को यानसन ने 3 विकेट लिए।

साउथ अफ्रीका ने 5वां विकेट गंवा दिया है। यहां कप्तान टेम्बा बावुमा 36 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें पैट कमिंस ने मार्नस लाबुशेन के हाथों कैच कराया। कमिंस को दूसरा विकेट मिला है। उन्होंने पहले दिन वियान मुल्डर को बोल्ड किया था।

बावुमा-बेडिंघम की फिफ्टी पार्टनरशिप

34वें ओवर में कप्तान टेम्बा बावुमा और डेविड बेडिंघम की जोड़ी ने फिफ्टी पार्टनरशिप पूरी कर ली है। मिचेल स्टार्क के ओवर की दूसरी बॉल पर बावुमा ने चौका लगाकर 5वें विकेट के लिए अर्धशतकीय साझेदारी पूरी की। टीम ने 30 रन पर चौथा विकेट गंवाया था।

मौजूदा फॉर्म और गेंदबाजी संयोजन पर होगी भारतीय टीम प्रबंधन की नजर

बेकेनहैम (केंट) (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला से पहले भारत की सीनियर टीम और भारत ए के बीच शुक्रवार से यहां शुरू होने वाले चार दिवसीय अभ्यास क्रिकेट मैच में टीम प्रबंधन सही संयोजन तैयार करने पर ध्यान केंद्रित करेगा। इस मैच में कुलदीप यादव और रविंद्र जडेजा के प्रदर्शन पर निगाह रहेगी और भारतीय टेस्ट टीम की अंतिम एकादश में जगह बनाने के लिए इन दोनों के बीच दिलचस्प मुकाबला होने की संभावना है।

यह मैच 20 जून से हेडिंग्ले में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले पहले टेस्ट मैच से पहले सीनियर टीम का एकमात्र अभ्यास मैच होगा। किसी भी श्रृंखला से पहले इस तरह के मैच टीम की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। मुख्य कोच गौतम गंभीर के नेतृत्व में भारतीय टीम ने यह मैच खाली स्टेडियम में खेलने का विकल्प चुना है ताकि विपक्षी टीम को उनकी रणनीति की भनक नहीं लग सके। यूरोपीय फुटबॉल क्लब लंबे समय से ऐसा करते रहे हैं।

भारतीय क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया के पिछले दौरे में भी ऐसा किया था। भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने बुधवार को कहा था कि यह मैच भारत की तैयारी की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि सामान्य अभ्यास सत्रों से एक दिन में 90 ओवर गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण करने की क्षमता विकसित करना मुश्किल होता है। इस चार दिवसीय मैच को आधिकारिक तौर पर प्रथम श्रेणी का दर्जा प्राप्त नहीं है। इसमें यदि कोई बल्लेबाज सस्ते में आउट हो जाता है तो उसे दूसरा मौका मिलता है।

इस मैच से भारतीय टीम प्रबंधन को मैच की परिस्थितियों में अपने खिलाड़ियों विशेष कर गेंदबाजों का आकलन करने का अच्छा मौका मिलेगा। इससे यह सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी कि गेंदबाज़ चाहे वह स्पिनर हो या तेज़ गेंदबाज वास्तविक मैच में अपेक्षित लय में हों। हेडिंग्ले के लिए एकमात्र विशेषज्ञ स्पिनर को चुनने के लिए गंभीर को कुछ माथापच्ची करनी होगी। जडेजा का विदेश में बल्लेबाजी रिकॉर्ड अच्छा रहा है लेकिन अगर भारत को 20 विकेट हासिल करने हैं तो फिर कुलदीप की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाएगी।

कुलदीप यहां की परिस्थितियों में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के अच्छे सहयोगी साबित हो सकते हैं। जडेजा बनाम कुलदीप अंतिम एकादश के लिए सबसे बड़ी पहेली है जिसे गंभीर और कोचिंग स्टाफ को सुलझाना होगा। इसी तरह इस मैच से कोचों और कप्तान शुभमन गिल को यह देखने का मौका मिलेगा कि आकाश दीप की फुल लेंथ या प्रसिद्ध कृष्णा की बैक ऑफ द लेंथ में से कौन सी गेंद इन परिस्थितियों में बेहतर काम करती है। छह महीने बाद लाल गेंद से मैच खेलने वाले बुमराह को कई स्पैल में गेंदबाजी करने और अपनी फिटनेस को परखने का मौका मिलेगा।

गंभीर ने इंग्लैंड दौरे को यादगार बनाने के लिए दी सलाह

टेस्ट श्रृंखला 20 जून से शुरु

बेकेनहैम (इंग्लैंड) (एजेंसी)। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने अपनी टीम से अपने 'कम्फर्ट जोन' (सहज स्थिति) से बाहर निकलने और संन्यास ले चुके स्टार खिलाड़ियों विराट कोहली, रोहित शर्मा तथा आर अश्विन की अनुपस्थिति में इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट श्रृंखला को 'यादगार' बनाने को कहा।

भारत 2007 के बाद इंग्लैंड में अपनी पहली श्रृंखला जीतने के इरादे से उतरेगा। दोनों टीम के बीच पांच मैच की टेस्ट श्रृंखला 20 जून को लीड्स में पहले टेस्ट के साथ शुरू होगी। गंभीर ने 'बीसीसीआई.टीवी' से अश्विन, रोहित और कोहली के हाल ही में संन्यास का जिक्र करते हुए कहा, 'इस दौरे को देखने के दो तरीके हैं। एक तो यह कि हम अपने तीन सबसे अनुभवी खिलाड़ियों के बिना हैं या हमें देश के लिए कुछ खास करने का यह अभूतपूर्व अवसर मिला है।

भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज ने कहा कि वह शुभमन गिल की अगुआई वाली मौजूदा टीम में कुछ खास हासिल करने के लिए 'जुनून और प्रतिबद्धता% महसूस कर सकते हैं। उन्होंने कहा,

'जब मैं इस समूह को देखता हूं तो मुझे कुछ खास करने की भूख, जुनून और प्रतिबद्धता दिखती है। अगर हम त्याग करते हैं, अगर हम अपनी सहज स्थिति से बाहर आते हैं, अगर हम हर दिन नहीं बल्कि हर सत्र, हर घंटे और हर गेंद पर चुनौती पेश करना शुरू करते हैं तो मुझे लगता है कि हम इसे एक यादगार दौरा बना सकते हैं।%

गंभीर ने इंग्लैंड दौरे पर पूरी टीम का स्वागत किया और बी साई सुदर्शन से शुरुआत करते हुए कुछ सदस्यों की विशेष सराहना की। भारतीय कोच ने कहा, 'पहली बार टेस्ट टीम में बुलाया जाना हमेशा खास होता है इसलिए मैं साई का स्वागत करना चाहता हूं जिनके लिए बल्ले से तीन महीने शानदार रहे हैं और सुनिश्चित कीजिए कि आपका लाल गेंद का करियर बेहद सफल हो।

गंभीर ने उम्मीद जताई कि तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह टेस्ट क्रिकेट में भी अपना प्रभाव छोड़ेंगे। उन्होंने कहा, 'मैं अर्शदीप सिंह का स्वागत करना चाहता हूं। आपने सफेद गेंद से शानदार प्रदर्शन किया है और मुझे यकीन है कि आप लाल गेंद से भी अपना जलवा बिखेरेंगे। इस 43 वर्षीय कोच ने इसके बाद गिल और उप-कप्तान ऋषभ पंत की पीठ भी थपथपाई। गंभीर ने कहा, 'मैं शुभमन को भी बधाई देना चाहता हूं जो पहली बार कप्तानी कर रहे हैं। अपने देश की टेस्ट टीम का नेतृत्व करने से बड़ा कोई सम्मान नहीं है। बधाई हो। ऋषभ पंत को भी जो अब नेतृत्व समूह का हिस्सा हैं।

गंभीर ने करुण नायर की भी तारीफ की जिन्होंने घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के दम पर भारतीय टीम में वापसी की। भारतीय कोच ने कहा, 'वापसी कभी आसान नहीं होती, जिसने सात साल बाद वापसी की हो, उसका पिछला साल शानदार रहा। उन्होंने कहा, 'आपने जितने रन बनाए हैं और सबसे महत्वपूर्ण बात कभी हार ना मानने का जज्बा है जिसने आपको टीम में वापस ला दिया है और यह इस समूह में सभी के लिए प्रेरणादायक है। करुण नायर का स्वागत है।%

नायर ने कहा कि वह भारत के लिए खेलने का दूसरा मौका मिलने पर 'आभारी' हैं। उन्होंने कहा, 'इस अवसर फिर से मिलने के लिए आभारी हूं। मैं इस अवसर का पूरा फायदा उठाने के लिए उत्सुक हूं। मुझे यकीन है कि एक बार जब मैं मैदान पर उतरूंगा तो मेरे अंदर बहुत सारी भावनाएं होंगी लेकिन अभी मैं उन्हें व्यक्त नहीं कर सकता।

कप्तान गिल ने अपने साथियों से खुद को थोड़ा दबाव में रखने का आग्रह किया जिससे कि श्रृंखला शुरू होने पर वे परिस्थितियों से प्रभावित नहीं हों। गिल ने कहा, 'आइए प्रत्येक नेट सत्र को सार्थक बनाएं। आइए खुद को थोड़ा दबाव में रखें। जब हम मैदान पर उतरते हैं तो इसका मतलब सिर्फ मैदान पर जाकर टिके रहना नहीं होता, आइए हम अपने खेल का पता लगाएं, जब हम पर दबाव डाला जाएगा तो हम कैसे खेलेंगे - चाहे वह गेंदबाज हो या बल्लेबाज।

भारत अच्छी तैयारी के साथ आया होगा, लेकिन हम जानते हैं कि हमें कहां पहुंचना है: मैकुलम

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम का मानना है कि भारत पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए अच्छी तैयारी और आत्मविश्वास के साथ यहां आया होगा लेकिन इसके साथ ही उन्होंने कहा कि उनके खिलाड़ी इस बात को अच्छी तरह से समझते हैं कि 'एक टेस्ट टीम के रूप में हम कहां पहुंचना चाहते हैं। भारत अपने नए विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र की शुरुआत 20 जून से लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला के साथ करेगा।

मैकुलम ने स्काई स्पोर्ट्स क्रिकेट से कहा, 'वह शानदार क्रिकेट खेलने वाला देश है, जो बड़ी उम्मीदों के साथ यहां आया होगा और हम उनकी चुनौती के लिए तैयार हैं। इंग्लैंड ने हाल ही में छह मैचों की सफ़ेद गेंद की श्रृंखला में वेस्टइंडीज़ का सफ़ाया किया। अब उनका ध्यान लाल गेंद के प्रारूप पर है क्योंकि वे भारत और इस साल के अंत में होने वाली एशेज की तैयारी कर रहे हैं। मैकुलम ने कहा, ''यह महत्वपूर्ण है कि खिलाड़ी तरोताजा रहें। हम जानते हैं कि टेस्ट टीम के रूप में हमें कहां पहुंचना है।

इंग्लैंड की टीम में तेज गेंदबाज मार्क वुड नहीं होंगे, जो चोट के कारण कम से कम पहले तीन टेस्ट से बाहर हो गए हैं। उनके साथी तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर भी शुरुआती टेस्ट से बाहर रहेंगे, जबकि गस एटकिंसन अब भी हैमस्ट्रिंग में खिंचाव से उबर रहे हैं। मैकुलम को हालांकि इंग्लैंड के गेंदबाजी विकल्पों पर पूरा भरोसा है। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ने कहा, 'हमारे कुछ अच्छे तेज गेंदबाज खेलने के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे लेकिन हमारे पास क्रिस वोक्स, सैम कुक, ब्रायडन कार्स, जेमी ओवरटन, जोश टंग के रूप में तेज गेंदबाजी विभाग में अच्छा और विविधतापूर्ण आक्रमण है।